सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अंडर-19 एकदिवसीय : वैभव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 10 छक्के पेज: 7

शालिनी पांडे ने की राहु-केतु पर बात..... पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 269 | गुरुवार 08 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पीएम मोदी ने नेतन्याहू से की बातचीत, दोनों ने और अधिक दृढ़ता के साथ आतंक से लड़ने का संकल्प लिया

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने आतंकवाद से और अधिक दृढ़ता के साथ लड़ने के अपने साझा संकल्प की पुष्टि की। उन्होंने कहा, अपने मित्र प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करके और उन्हें तथा इजराइल के लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं देकर मुझे खुशी हुई। उन्होंने कहा, हमने आने वाले वर्ष में भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय हालात पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान को लेकर पीएम को घेरा, प्रधानमंत्री की लीडरशिप पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला और उन पर "दबाव" में "सरेंडर" करने का आरोप लगाया। गांधी की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने हाउस जीओपी मेंबर रिट्रीट में बोलते हुए दावा किया था कि पीएम मोदी ने उनसे मिलने का समय मांगा था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की गई टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में बुधवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि फर्क समझो, सर जी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने पिछले साल जून में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान से संबंधित एक कार्यक्रम

में दिए गए अपने भाषण का एक अंश साझा किया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी, ट्रंप के एक फोन से उनके सामने झुक गए तथा नरेन्दर, सरेंडर कर गए। उस भाषण में राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि कांग्रेस तथा उसके नेताओं ने महाशक्तियों के सामने कभी सरेंडर नहीं किया, लेकिन थोड़े से दबाव के आगे झुक जाना ही भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल स्वभाव है। कांग्रेस नेता ने बुधवार को अपने इस भाषण से संबंधित वीडियो एक्स पर साझा करते हुए पोस्ट किया, फर्क समझो, सर जी। दरअसल, ट्रंप ने भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत के टैरिफ (शुल्क) को लेकर हाल के दिनों में कई ऐसी टिप्पणियां की हैं जो सरकार को असहज करने वाली हैं। सरकार की तरफ से फिलहाल इन टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी ट्रंप की टिप्पणियों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष किया। उन्होंने ट्रंप के वक्तव्य का वीडियो साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, नमस्ते ट्रंप से लेकर हाउडी मोदी तक, डोनाल्ड भाई और अब यह (सर)। आगे क्या? अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को कहा कि रूसी तेल खरीदने पर अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनसे ज्यादा खुश नहीं हैं। ट्रंप ने हाउस जीओपी सदस्य रिट्रीट में अपने संबोधन में यह भी दावा किया, प्रधानमंत्री मोदी मुझसे मिलने आए और बोले, श्रीमान, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं? मैंने कहा, जी हां।

ट्रंप द्वारा हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर....

उस भाषण में राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि कांग्रेस तथा उसके नेताओं ने महाशक्तियों के सामने कभी सरेंडर नहीं किया, लेकिन थोड़े से दबाव के आगे झुक जाना ही भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल स्वभाव है। कांग्रेस नेता ने बुधवार को अपने इस भाषण से संबंधित वीडियो एक्स पर साझा करते हुए पोस्ट किया, फर्क समझो, सर जी।

कांग्रेस हो या एआईएमआईएम, गठबंधन मंजूर नहीं, सीएम फडणवीस ने अपने ही नेताओं को दे दी चेतावनी

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार (7 जनवरी) को कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से साफ इनकार करते हुए इसे "अस्वीकार्य" बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिए गए फैसले को सुधारा जाएगा। यह स्पष्टीकरण अंबरनाथ नगर परिषद में हुए एक चौंकाने वाले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद आया है, जहां भाजपा और कांग्रेस ने कथित तौर पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को सत्ता में आने से रोकने के लिए हाथ मिला लिया था। इस कदम से राज्य में राजनीतिक तनाव काफी बढ़ गया है। गठबंधन स्वीकार्य नहीं फडणवीस ने कहा कांग्रेस के साथ गठबंधन स्वीकार्य नहीं है। अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिया

गया निर्णय बदला जाएगा; कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। ठाणे जिले में मुंबई से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित अंबरनाथ में भाजपा के "कांग्रेस-मुक्त भारत" के लंबे समय से चले आ रहे अभियान के बावजूद अप्रत्याशित गठबंधन देखने को मिला। इस गठबंधन का उद्देश्य शिवसेना के शिंदे गुट को सत्ता से बाहर रखना था। भाजपा-कांग्रेस के इस गठबंधन ने राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा कर दी हैं और महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य में काफी बहस छेड़ दी है, जिससे स्थानीय स्तर की चुनावी राजनीति की जटिलताएं उजागर होती हैं। कांग्रेस-भाजपा गठबंधन अंबरनाथ विकास अघाड़ी इस गठबंधन को "अंबरनाथ विकास अघाड़ी" नाम दिया गया है। हालांकि, इन घटनाक्रमों से शिवसेना के शिंदे गुट में काफी असंतोष फैल गया है। भाजपा-कांग्रेस गठबंधन के बाद शिंदे गुट बेहद उग्र है। शिवसेना के शिंदे गुट ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए इस गठबंधन को "अपवित्र गठबंधन" करार दिया है। शिवसेना विधायक बालाजी किनिकर ने कांग्रेस-मुक्त भारत की बात करने वाली भाजपा पर शिवसेना पर हमला करने के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन करने का आरोप लगाया है।

ट्रंप का वेनेजुएला को सख्त फरमान ! भारत के खास दोस्त सहित इन देशों से तोड़ो हर रिश्ता, कहा- तेल पर सिर्फ अमेरिका का अधिकार

नई दिल्ली एजेंसी: वेनेजुएला और अमेरिका के बीच तनाव अब चरम पर पहुंचता दिख रहा है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की अमेरिकी विशेष बलों द्वारा गिरफ्तारी और उन्हें न्यूयॉर्क ले जाए जाने के बाद अब अमेरिका ने वेनेजुएला को एक और सख्त फरमान जारी किया है। ट्रंप प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वेनेजुएला को चीन, रूस, ईरान और क्यूबा के साथ अपने संबंध कम करने होंगे, तभी उसे तेल उत्पादन बढ़ाने की अनुमति मिलेगी। एबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज को निर्देश दिए हैं कि उनका देश तेल उत्पादन और भारी कच्चे तेल की बिक्री में केवल अमेरिका को प्राथमिकता दे।

रिपोर्ट में तीन अज्ञात सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि अमेरिका चाहता है कि वेनेजुएला भारत के खास दोस्त सहित इन चार देशों के साथ अपने आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते पूरी तरह समाप्त करे। इन चार देशों में रूस भी शामिल है, जो भारत का करीबी मित्र माना जाता है। अमेरिका की यह मांग ऐसे समय में आई है जब वेनेजुएला दशकों से चीन, रूस, ईरान और क्यूबा पर आर्थिक, सैन्य और सुरक्षा सहायता के लिए निर्भर रहा है। खासतौर पर ह्यूगो शावेज और बाद में निकोलस मादुरो के शासनकाल में इन देशों की भूमिका निर्णायक रही है। ऐसे में इन रिश्तों को तोड़ना वेनेजुएला की विदेश नीति में एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने साफ कर दिया है कि वेनेजुएला को अधिक तेल उत्पादन की अनुमति तभी मिलेगी जब वह इन शर्तों को माने। हालांकि, वाइट हाउस ने इस रिपोर्ट पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। मंगलवार शाम ट्रंप ने बयान देते हुए कहा कि वेनेजुएला अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल तेल की आपूर्ति करेगा, जिसकी मौजूदा बाजार कीमत करीब 2.8 अरब डॉलर आंकी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह तेल बाजार मूल्य पर बेचा जाएगा और इससे होने वाली आय दोनों देशों के हित में इस्तेमाल की जाएगी। ट्रंप ने यह भी घोषणा की कि प्रशासन अगले सप्ताह अमेरिकी तेल कंपनियों के साथ वेनेजुएला में निवेश को लेकर चर्चा करेगा। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने यह दावा किया है कि अमेरिका वेनेजुएला पर कब्जा नहीं करना चाहता, लेकिन ट्रंप कई बार यह संकेत दे चुके हैं

अमित शाह तमिलनाडु में हिंदुओं की स्थिति को लेकर सरासर झूठ बोल रहे हैं: स्टालिन

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह आरोप कि तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत है और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। मुख्यमंत्री ने यहां एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों के लोगों की आस्थाओं का सम्मान करती है और उनके धार्मिक अधिकारों की रक्षा करती है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु जैसे राज्य में गृह मंत्री का यह आरोप कि हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं सरासर गलत और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। सच तो यह है कि राज्य में दंगे और विभाजन पैदा करने की मंशा रखने वालों की मानसिकता सफल नहीं हुई है। स्टालिन ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की घटना कभी नहीं होगी और हम इसे होने नहीं देंगे। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र

कषगम द्रमुक ने जोर देकर कहा, जब तक यह स्टालिन यहां है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा। अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु के पुदुकोट्टई में एक जनसभा के दौरान द्रमुक पर राज्य में हिंदू धर्म और हिंदुओं की भावनाओं को लगातार अपमानित करने का आरोप लगाया था। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी भाजपा के वरिष्ठ नेता ने हिंदुओं पर हुए अत्याचारोंको लेकर स्टालिन सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदू पूजा-पाठ के तरीकों का अपमान' किया जा रहा है और दावा किया कि अयोध्या राम मंदिर भूमि पूजा के दौरान राज्य में अघोषित कर्फ्यू लगा दिया गया था शाह ने कहा उनके द्रमुक के वरिष्ठ नेता सनातन धर्म को डेंगू मलेरिया कहते हैं हिंदू शोभायात्राओं और विसर्जन हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियों के विसर्जन पर रोक लगा दी गई है मैं स्टालिन से कहना चाहता हूं कि आपने हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार करके संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन किया है।

गुरु तेग बहादुर के अपमान पर बवाल, बीजेपी ने की अतिशी की सदस्यता रद्द करने की मांग

नई दिल्ली एजेंसी: प्रवेश वर्मा और मंजिंदर सिंह सिरसा समेत दिल्ली के कई मंत्रियों ने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर गुरु तेग बहादुर के कथित अपमान के मामले में विपक्ष की नेता आतिशी की सदस्यता रद्द करने की मांग की। मीडिया से बात करते हुए प्रवेश वर्मा ने कहा, ह्लहमने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर आतिशी के कृत्य का संज्ञान लेते हुए उनकी सदस्यता रद्द करने की मांग की है... न केवल यह सदन बल्कि देश का हर नागरिक इससे आहत है। हमारे गुरुओं ने देश की अखंडता को मजबूत करने के लिए अपने प्राणों सहित पूरे परिवार के साथ बलिदान दिए, लेकिन विपक्ष की नेता, आम आदमी पार्टी की नेता ने उनका मजाक उड़ाया... हमें उम्मीद है कि आतिशी की सदस्यता रद्द की जाएगी। आतिशी की टिप्पणी से विधानसभा में हंगामा मच गया दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायक द्वारा आतिशी की टिप्पणी पर तीखे विरोध प्रदर्शन को हवा देने के बाद भारी हंगामा हुआ। विधायकों ने मांग की कि विपक्ष की विधायक सत्र में उपस्थित हों और उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया जाए। कपिल मिश्रा ने कहा कि अध्यक्ष ने आतिशी के शब्दों को पढ़ा... उन्होंने बेहद अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने ऐसी अभद्र भाषा का प्रयोग तब किया जब विधानसभा गुरु तेग बहादुर जी के सम्मान पर चर्चा कर रही थी। मैं उनके शब्दों को दोहरा भी नहीं सकता। उन्हें विधानसभा में आना ही होगा, सिर्फ माफी मांगने से काम नहीं चलेगा। भाजपा विधायक हरीश खुराना ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर की शहादत की 350वीं वर्षगांठ पर चर्चा चल रही थी।

नेहरू को सोमनाथ से थी सबसे ज्यादा घृणा? सुधांशु त्रिवेदी ने चिट्ठी शेयर कर किया सनसनीखेज दावा

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय जनता पार्टी के नेता सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण पर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रुख की तीखी आलोचना की। त्रिवेदी ने कहा कि जहां मोहम्मद गजनी और अलाउद्दीन खिलजी जैसे ऐतिहासिक व्यक्तियों ने मंदिर को लूटा, वहीं नेहरू भगवान सोमनाथ के प्रति सबसे अधिक घृणा रखते थे। एक 'एक्स' पोस्ट में, त्रिवेदी ने नेहरू द्वारा कथित तौर पर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को लिखे एक पत्र को साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि नेहरू ने उन्हें प्रिय नवाबजादा कहकर संबोधित किया और सोमनाथ के दरवाजों की कहानी को पूरी तरह से झूठा बताया। त्रिवेदी का तर्क है कि यह पत्र एक प्रकार का आत्मसमर्पण दशार्ता है, जिससे पता चलता है कि नेहरू भारत की सभ्यतागत विरासत की रक्षा करने के बजाय मंदिर के पुनर्निर्माण को कम महत्व देना चाहते थे। त्रिवेदी के

अनुसार, पाकिस्तान के दुष्प्रचार का सामना करने के बजाय, नेहरू ने पाकिस्तान को खुश करने के लिए हिंदू ऐतिहासिक प्रतीकों को कमतर आंकना चुना, और राष्ट्रीय आत्मविश्वास से ऊपर बाहरी स्वीकृति को प्राथमिकता दी। एक अन्य 'एक्स' पोस्ट में, त्रिवेदी ने दावा किया कि नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के पूर्ण विरोध में थे। उन्होंने बताया कि नेहरू ने मंत्रिमंडल मंत्रियों, राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सहित कई उच्च पदस्थ अधिकारियों को पत्र लिखकर मंदिर के पुनर्निर्माण की आवश्यकता पर सवाल उठाया और उन्हें इसके उद्घाटन समारोह में शामिल न होने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नेहरू ने कथित तौर पर सभी भारतीय मुख्यमंत्रियों को दो बार पत्र लिखकर शिकायत की कि मंदिर के निर्माण से विदेशों में भारत की छवि को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने सूचना एवं प्रसारण मंत्री आर.आर. दिवाकर को भी पत्र लिखकर अभिषेक समारोह के कवरेज को कम करने का आग्रह किया, इसे आडंबरपूर्ण बताते हुए दावा किया कि इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचा है। यह घटना प्रधानमंत्री मोदी के 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व समारोह में भाग लेने के लिए निर्धारित यात्रा के बीच घटित हुई है।

वेनेजुएला के घटनाक्रम पर भारत चिंतित, विदेश मंत्री जयशंकर ने की सभी पक्षों से बातचीत की अपील

नई दिल्ली एजेंसी: वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वेनेजुएला में हाल के घटनाक्रमों को लेकर भारत चिंतित है। विदेश मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से मौजूदा संकट के बीच वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता देने का भी अनुरोध किया। जयशंकर ने कहा-हम हालिया घटनाक्रम को लेकर चिंतित हैं लक्जमबर्ग में एक कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, हम हालिया घटनाक्रम को लेकर चिंतित हैं। लेकिन हम इसमें शामिल सभी पक्षों से यह आग्रह करेंगे कि वे अब बैठकर ऐसे समाधान पर पहुंचें जो वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के हित में हो, क्योंकि यही हमारी चिंता है। उन्होंने आगे कहा, वेनेजुएला के साथ भारत के कई सालों से बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। हम चाहते हैं कि वेनेजुएला के लोग मौजूदा घटनाक्रम की दिशा चाहे जो भी हो, उससे सुरक्षित और बेहतर स्थिति में बाहर आएं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा इससे पहले,

भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा कि काराकास में भारतीय दूतावास भारतीय समुदाय के सदस्यों के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। बयान में आगे कहा गया, वेनेजुएला में हाल के घटनाक्रम गहरी चिंता का विषय हैं। हम बदलती स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। भारत वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करता है। हम सभी संबंधित पक्षों से बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से मुद्दों को सुलझाने और क्षेत्र में शांति व स्थिरता सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, काराकास में भारतीय दूतावास भारतीय समुदाय के सदस्यों के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा। वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो अभी न्यूयॉर्क की जेल में हैं गौरतलब है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो अभी न्यूयॉर्क की जेल में हैं। अमेरिका ने 3 जनवरी को वेनेजुएला में कार्रवाई की थी, जिस दौरान राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया। ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व कहे जाने वाले इस अभियान में अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई करते हुए मादुरो को हिरासत में लिया था। इसके बाद अमेरिकी सेना वापस न्यूयॉर्क लौटी थी, जहां सोमवार को मादुरो अदालत में पेश किया गया। फिलहाल डेल्सी रोड्रिग्ज वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर कार्यरत हैं।

बयान में आगे कहा गया, ह्लवेनेजुएला में हाल के घटनाक्रम गहरी चिंता का विषय हैं। हम बदलती स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। भारत वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करता है।

संपादकीय

भारत को घुड़की न दें

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब भारत को भी घुडकाना शुरू कर दिया है। बेशक वह भारत में 'वेनेजुएला प्रयोग' को दोहराने का दुस्साहस नहीं कर सकते, क्योंकि वह भारत की चौतरफा ताकत को अच्छी तरह जानते हैं। भारत की ईमानदारी और प्रतिबद्धताओं को भी समझते हैं। भारत एक प्रमाणित परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र है, अमरीका से अधिक यह कौन जानता है, क्योंकि अमरीका ने भारत के साथ असैन्य परमाणु करार कर रखा है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप का नया बयान आया है-'दरअसल प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इनसान हैं। वे जानते हैं कि मैं इससे (रूस से तेल खरीद) खुश नहीं हूं और मुझे खुश रखना जरूरी है। यदि रूस से तेल खरीद जारी रही, तो भारत पर बहुत जल्दी और टैरिफ लग सकते हैं। वह भारत के लिए ठीक नहीं होगा।' गौरतलब यह है कि भारत अप्रैल, 2025 में रूस से 8.6 मिलियन टन कच्चा तेल खरीदता था, जो नवंबर तक घट कर 7.7 मिलियन टन हो गया। भारत अमरीका से भी करीब 3 मिलियन टन तेल खरीदता है। अमरीका की तुलना में रूस से तेल खरीद आज भी अधिक है। भारत ने किसी दबाव में तेल खरीद को कम नहीं किया, यह उसकी जरूरतों के मुताबिक है। तेल भंडारों और क्षमताओं को लेकर अमरीका का स्थान बहुत नीचे है। वेनेजुएला में सबसे अधिक प्रमाणित 303 अरब बैरल तेल के भंडार हैं और वह आज भी सबसे बड़ा सप्लायर है। उसके बाद सऊदी अरब और ईरान सबसे अधिक तेल बेचते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप की पूरी रणनीति तेल कारोबार पर वर्चस्व स्थापित करने की है, जिसका विरोध अमरीका में ही किया जा रहा है। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने वेनेजुएला हमले और वहां के राष्ट्रपति को अगवा कर-के अमरीका लाने के ऑपरेशन को लेकर ट्रंप के खिलाफ आक्रामक बयान दिए हैं। उन्हें 'राजनीतिक' भी माना जा सकता है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ महाभियोग लाने पर भी चर्चा छिड़ चुकी है। डेमोक्रेट्स और ट्रंप की पार्टी के सांसद अपने ही राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग लाकर उन्हें पद से हटाने की राजनीति में जुट गए हैं। जहां तक टैरिफ का मामला है, वह अमरीकी अदालत के विचाराधीन है, लिहाजा ट्रंप नए टैरिफ नहीं थोप सकते। अलबत्ता अमरीकी राष्ट्रपति कमोबेश भारत को घुड़कियां देने से बाज जरूर आएं। यदि उन्होंने घोषित 50 फीसदी से अधिक टैरिफ थोपने का कोई फैसला लिया, तो अमरीकी कांग्रेस (संसद) उसे खारिज कर सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप बड़बोले नेता हैं, लिहाजा उनकी टिप्पणियों पर हर बार पलटटिप्पणी भारत करे, ऐसा संभव नहीं है और न ही भारत के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को ट्रंप के बयानों की चिंता करनी चाहिए। भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ थोपने के बावजूद भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से अधिक रही है। सभी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और प्रमुख रेटिंग एजेंसियों के आकलन हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर 7 फीसदी से अधिक रहेगी। टैरिफ के बावजूद भारत की जीडीपी 375 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है और भारत विश्व में सबसे तेज गति से बढड़े वाली अर्थव्यवस्था है।

चिंतन-मनन

प्रयाश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुतः प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई। सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शास्त्रों में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अदृश्य रफ्तारः क्यों जरूरी है पृथ्वी की निरंतर धुरी पर दौड़?

दिलीप कुमार पाठक

पृथ्वी घूर्णन दिवस हर साल 8 जनवरी को मनाया जाता है, जो हमें हमारे ग्रह की उस निरंतर गति की याद दिलाता है जिसे हम महसूस तो नहीं कर पाते, लेकिन जिसका हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

यह दिन वैज्ञानिक जिज्ञासा और सत्य की खोज का प्रतीक है, जो सदियों के अंधविश्वास को तोड़कर वैज्ञानिक तथ्यों की स्थापना को समर्पित है। सदियों पहले तक मनुष्य का यह मानना था कि पृथ्वी स्थिर है और सूर्य सहित सभी खगोलीय पिंड इसके चारों ओर चक्कर लगाते हैं। लेकिन विज्ञान की प्रगति के साथ यह स्पष्ट हुआ कि हमारी पृथ्वी न केवल सूर्य की परिक्रमा करती है, बल्कि अपनी धुरी पर भी निरंतर घूमती रहती है। इसी घूर्णन गति के कारण ही पृथ्वी पर दिन और रात का चक्र चलता है, जो जीवन की लय को निर्धारित करता है। इस वैज्ञानिक सत्य की गहराई में जाएं तो हम पाते हैं कि पृथ्वी की यह घूर्णन गति केवल समय का मापदंड नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व का आधार भी है। आज के आधुनिक युग में जब हम 2026 में प्रवेश कर चुके हैं, विज्ञान हमें यह समझने में मदद करता है कि पृथ्वी लगभग 1670 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घूम रही है। इतनी तीव्र गति के बावजूद हमें झटका महसूस नहीं होता, क्योंकि हम और हमारा वायुमंडल भी इसी गति का हिस्सा हैं। यह घूर्णन ही है जो समुद्र के जल स्तर को संतुलित रखता है और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल के साथ तालमेल बिठाकर हमें धरातल पर टिकाए रखता है। इसके बिना पृथ्वी का आकार भी वैसा नहीं होता जैसा आज हम देखते हैं, क्योंकि घूर्णन के कारण ही यह ध्रुवों पर थोड़ी चपटी और भूमध्य रेखा पर उभरी हुई है।

इस विशेष दिवस का इतिहास फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी लियोन फौकॉल्ट से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने 1851 में एक ऐतिहासिक प्रयोग के माध्यम से पृथ्वी के घूमने के प्रमाण प्रस्तुत किए थे। फौकॉल्ट ने पेरिस के पेंथियन की छत से एक लंबा पेंडुलम लटकाया था और दुनिया को यह दिखाया कि समय के साथ पेंडुलम के दोलन की दिशा बदल रही है। यह बदलाव पेंडुलम के कारण नहीं, बल्कि पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण हो रहा था। उनके इस सफल प्रदर्शन ने खगोल विज्ञान की दुनिया में एक नई क्रांति ला दी और आम जनमानस के लिए इस सत्य को स्वीकार करना आसान बना दिया। आज फौकॉल्ट पेंडुलम दुनिया भर के कई विज्ञान संग्रहालयों में देखा जा सकता है, जो हमें निरंतर पृथ्वी की गति का स्मरण कराता रहता है।

पृथ्वी की घूर्णन गति हमारे अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह न केवल दिन-रात का निर्माण करती है, बल्कि पृथ्वी के तापमान को भी संतुलित रखती है। यदि पृथ्वी घूमना बंद कर दे, तो इसके एक हिस्से में हमेशा चिलचिलाती गर्मी और दूसरे हिस्से में जमा देने वाली ठंड होगी, जिससे जीवन का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। इसके अलावा, पृथ्वी के घूमने से उत्पन्न होने वाला कोरियोलिस प्रभाव समुद्र की लहरों और वायुमंडल में हवाओं की दिशा को नियंत्रित करता है। मौसम का बदलना, बादलों की गति और महासागरीय धाराओं का प्रवाह, ये सभी पृथ्वी के निरंतर घूमने का ही परिणाम हैं। यह घूर्णन ही पृथ्वी के चारों ओर उस चुंबकीय क्षेत्र का निर्माण करता है, जो हमें सूर्य की हानिकारक विकिरणों से बचाता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, यह दिवस हमें जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी के बदलते स्वरूप पर भी विचार करने के लिए मजबूर करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों का पिघलना पृथ्वी के द्रव्यमान वितरण को बदल रहा है, जिससे इसकी घूर्णन गति पर सूक्ष्म प्रभाव पड़ सकता है। यह सूक्ष्म बदलाव भविष्य में हमारे सटीक समय मापन और उपग्रह संचार प्रणालियों के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकता है। अतः, पृथ्वी घूर्णन दिवस केवल एक खगोलीय घटना का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारे पारिस्थितिक तंत्र की संवेदनशीलता को समझने का भी दिन है। यह हमें सिखाता है कि प्रकृति की हर क्रिया एक निश्चित गणित और संतुलन पर आधारित है, जिसे बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आज के आधुनिक युग में पृथ्वी घूर्णन दिवस मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को विज्ञान के प्रति जागरूक करना और उन्हें ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने के लिए प्रेरित करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भले ही हम अपने पैरों के नीचे की जमीन को स्थिर महसूस करते हों,

लेकिन हम वास्तव में अंतरिक्ष में एक अविश्वसनीय गति से यात्रा कर रहे हैं। शैक्षणिक संस्थानों में इस दिन छात्रों को खगोल भौतिकी के बारे में बताया जाता है और महान वैज्ञानिकों के संघर्षपूर्ण योगदान को याद किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो, यह दिवस कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है कि हमारी पृथ्वी सही गति और सही झुकाव के साथ घूम रही है, जिससे जीवन फलता-फूलता रहे। हमें इस दिन यह संकल्प लेना चाहिए कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएंगे और अपनी पृथ्वी के पर्यावरण को सुरक्षित रखने में योगदान देंगे ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस अद्भुत ग्रह की गति का आनंद ले सकें।

(लेखक पत्रकार हैं)

दिल्ली की जहरीली हवा एक शहर नहीं पूरे क्षेत्र की विफलता

कांतिलाल मांडोत

दिल्ली में प्रदूषण कोई नई समस्या नहीं रही है, लेकिन अब यह समस्या इस हद तक पहुंच चुकी है कि इसे केवल पर्यावरणीय संकट कहना कम होगा। यह एक मानवीय त्रासदी का रूप ले चुकी है। हालिया अध्ययन ने एक बार फिर इस सच्चाई को उजागर किया है कि राजधानी दिल्ली की हवा में घुला जहर सिर्फ दिल्ली की देन नहीं है। करीब 65 फीसदी प्रदूषण शहर के बाहर से आता है, खासतौर पर एनसीआर के अन्य जिलों और पड़ोसी राज्यों से। दिल्ली अपने स्तर पर केवल 35 फीसदी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। इसके बावजूद सबसे ज्यादा बदनाम भी दिल्ली ही होती है और सबसे ज्यादा मार भी यहीं के लोगों को झेलनी पड़ती है।

दिल्ली की भौगोलिक स्थिति इसे प्रदूषण के मामले में बेहद संवेदनशील बनाती है। उत्तर और उत्तर पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाएं हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पंजाब के औद्योगिक क्षेत्रों, खेतों और शहरी इलाकों से उठे धुएं और धूल को दिल्ली में लाकर पटक देती हैं। सर्दियों में हालात और बिगड़ जाते हैं क्योंकि ठंडी हवा के कारण वातावरण में ऐसी परत बन जाती है जो प्रदूषक कणों को ऊपर उठने नहीं देती। नतीजा यह होता है कि दिल्ली की हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे बेहद सूक्ष्म कण कई गुना खतरनाक स्तर तक पहुंच जाते हैं।

नई स्टडी बताती है कि सर्दियों के मौसम में दिल्ली के भीतर गाड़ियों से निकलने वाला धुआं लोकल पीएम 2.5 प्रदूषण का करीब आधा हिस्सा बनाता है। यह योगदान इंडस्ट्री, निर्माण कार्यों और कचरा या ईंधन जलाने जैसे स्त्रोतों से भी ज्यादा है। दिल्ली की सड़कों पर वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ट्रैफिक जाम में फंसे वाहन घंटों धुआं उगलते रहते हैं। पुरानी डीजल गाड़ियां आज भी सड़कों पर दौड़ रही हैं और सार्वजनिक परिवहन अभी भी जरूरत के मुकाबले अपर्याप्त है। लेकिन इन सबके बावजूद कुल मिलाकर बाहरी प्रदूषण ही सबसे बड़ा खिलाड़ी बनकर सामने आता है।

रिपोर्ट में यह भी साफ कहा गया है कि दिल्ली की प्रदूषण समस्या को केवल शहर की सीमाओं के भीतर रहकर हल नहीं किया जा सकता। यह एक क्षेत्रीय समस्या है और इसका समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। दिल्ली सरकार चाहे जितने प्रतिबंध लगा ले, अगर एनसीआर और पड़ोसी राज्यों में हालात नहीं सुधरते तो राजधानी को राहत नहीं मिल सकती। यही वजह है कि हर साल वही कहानी दोहराई जाती है। सर्दी आते ही हवा जहरीली हो जाती है, स्कूल बंद होते हैं, निर्माण कार्य रुकते हैं, गाड़ियां सड़कों से हटाई जाती हैं और कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर सामान्य मान लिया जाता है।

हालांकि पराली जलाने के मोर्चे पर 2025 की सर्दी ने एक उम्मीद की किरण जरूर दिखाई है। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान पराली जलाने से दिल्ली के पीएम 2.5 प्रदूषण में करीब 10.6 फीसदी की कमी आई है, जो 2024 की तुलना में एक बड़ी राहत मानी जा सकती है। 15 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच जब पराली जलाने का सबसे ज्यादा असर होता है, उस दौरान 2025 में इसका औसत योगदान 4.9 फीसदी रहा जबकि 2024 में यही आंकड़ा 15.5 फीसदी था। यह बताता है कि अगर नीतियां सही हों और उन्हें ईमानदारी से लागू किया जाए तो हालात सुधर सकते हैं। इसके बावजूद 12 नवंबर 2025 को एक दिन ऐसा भी आया जब पराली से प्रदूषण का योगदान 22.47 फीसदी तक पहुंच गया, जो यह याद दिलाने के लिए काफी है कि खतरा अभी टला नहीं है।

दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण का असर अब केवल आंखों में जलन या सांस लेने में दिक्कत तक सीमित नहीं रहा। यह लोगों की जिंदगी छीन रहा है। अस्पतालों में अस्थमा, एलर्जी, हृदय रोग और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बच्चों के फेफड़े पूरी तरह विकसित होने से पहले ही कमजोर हो रहे हैं। बुजुर्गों के लिए यह हवा मौत को दावत देने जैसी है। गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं पर इसका असर अलग और बेहद खतरनाक है। कई शोध यह संकेत दे चुके हैं कि वायु प्रदूषण के कारण समय से पहले मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

यह संकट सामाजिक असमानता को भी गहराता है। अमीर लोग एयर प्यूरीफायर, बंद गाड़ियां और महंगे इलाज का सहारा ले सकते हैं, लेकिन गरीब और मजदूर वर्ग के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं होता। खुले में काम करने वाले, सड़क किनारे रहने वाले और झुग्गियों में बसे लोग इस जहर को सबसे ज्यादा मात्रा में अपने भीतर लेते हैं। उनके लिए प्रदूषण कोई मौसम नहीं बल्कि रोज की मजबूरी है।

सरकारें भी इस स्थिति में अक्सर मजबूर नजर आती हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान जैसे उपाय कागजों पर मजबूत दिखते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर सीमित ही रहता है। ऑड ईवन, पटाखों पर प्रतिबंध और निर्माण कार्यों पर रोक जैसे फैसले तात्कालिक राहत देते हैं, स्थायी समाधान नहीं। असल जरूरत इस बात की है कि दिल्ली एनसीआर और पड़ोसी राज्य मिलकर एक साझा रणनीति बनाएं, जिसमें जवाबदेही तय हो और राजनीतिक इच्छाशक्ति साफ नजर आए।

अगर आगे की राह की बात करें तो यह साफ है कि केवल एक क्षेत्र या एक सरकार के बूते यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। परिवहन व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव जरूरी है। सार्वजनिक परिवहन को इतना मजबूत और सुविधाजनक बनाना होगा कि लोग निजी गाड़ियों से दूरी बनाएं। इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना होगा। उद्योगों को स्वच्छ ईंधन की ओर जाना ही पड़ेगा। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण अब विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता बननी चाहिए। कचरा जलाने पर पूरी तरह रोक और उसके लिए मजबूत व्यवस्था जरूरी है। किसानों को पराली न जलाने के लिए केवल दंड नहीं बल्कि व्यवहारिक और आर्थिक विकल्प भी देने होंगे।

इस लड़ाई में नागरिकों की भूमिका भी कम नहीं है। जब तक समाज खुद यह नहीं मानेगा कि स्वच्छ हवा उसका अधिकार है और जिम्मेदारी भी, तब तक हालात नहीं बदलेंगे। हर छोटी आदत मायने रखती है। कारपूल करना, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना, कचरा न जलाना और पेड़ों की रक्षा करना जैसे कदम किसी एक दिन में चमत्कार नहीं करेंगे, लेकिन लंबे समय में यही बदलाव की नींव बनेंगे।

दिल्ली की हवा आज लोगों से त्राहिमाम करवा रही है। सांस लेना एक संघर्ष बन गया है। बच्चे मास्क पहनकर स्कूल जाने को मजबूर हैं और बुजुर्ग घरों में कैद हो चुके हैं। अगर अब भी इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। प्रदूषण सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, यह जीवन और मृत्यु का सवाल बन चुका है। हवा पर किसी एक शहर का हक नहीं होता और उसकी जिम्मेदारी भी किसी एक पर नहीं छोड़ी जा सकती। दिल्ली की जहरीली हवा यह साफ संदेश दे रही है कि अब आधे अधूरे उपाय नहीं, बल्कि ठोस और साझा समाधान का समय आ चुका है।

विश्व पटल पर बालिकाओं का नवयुगः बदली सोच, उभरी शक्ति

एक समय था जब दुनिया के बड़े हिस्से में बेटी का जन्म बोझ समझा जाता था। गर्भ में ही उसके जीवन का अंत कर दिया जाता, या जन्म के बाद भेदभाव, उपेक्षा और वंचना उसका भाग्य बनती। सदियों तक चली इस दकियानूसी एवं पुरानपंथी सोच ने समाज, सभ्यता और प्रकृति-तीनों को गहरे घाव दिए। किंतु आज उसी दुनिया में सोच के स्तर पर एक निर्णायक मोड़ दिखाई दे रहा है, एक नयी सोच का उदय हो रहा है। गैलप इंटरनेशनल जैसे वैश्विक सर्वे यह संकेत देते हैं कि 44 देशों में माता-पिता की बड़ी संख्या अब संतान के लिंग को लेकर उदासीन हो रही है, उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चा लड़का है या लड़की। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि मानव चेतना में घटित एक ऐतिहासिक परिवर्तन है। बालिकाओं को लेकर बदल रही यह सोच मानवीयता का दर्शन करा रही है। यह सच है कि तस्वीर का एक पक्ष उजला है तो दूसरा अब भी चिंताजनक। पिछले 25 वर्षों में दुनिया ने लगभग 70 लाख बच्चियों को बचाया है, यह मानवीय प्रगति का बड़ा प्रमाण है। परंतु यह भी उतना ही कड़वा सत्य है कि आज भी हर साल दस लाख से अधिक बच्चियां गर्भ में ही खत्म कर दी जाती हैं और बीते 45 वर्षों में यह संख्या पाँच करोड़ से अधिक रही है। यानी लड़का-लड़की के भेद का राक्षस अभी पूरी तरह पराजित नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उम्मीद की किरण इसलिए प्रबल है क्योंकि अब यह भेद सामाजिक स्वीकृति खो रहा है, और यही किसी भी क्रांति की सबसे ठोस बुनियाद होती है।

भारत में यह संघर्ष और भी जटिल रहा है। कम शिक्षा, रूढ़िवादी पितृसत्तात्मक सोच, अंधविश्वास और सामाजिक भ्रांतियों ने लंबे समय तक बालिकाओं के अस्तित्व पर संकट बनाए रखा। लेकिन हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, भारत में बेटों की चाहत 1999 के 33 प्रतिशत से घटकर अब 15 प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि मानसिकता में आए बदलाव का संकेत है। फिर भी, 15 प्रतिशत भी कम नहीं क्योंकि इसका सीधा असर लिंगानुपात पर पड़ता है। आज देश में लिंगानुपात 1000 लड़कों पर 943 लड़कियों का है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार जन्म के समय लड़के-लड़कियों का प्राकृतिक अनुपात लगभग 105ः 100 होता है, जो पाँच वर्ष की आयु तक बराबर हो जाना चाहिए। यदि पाँच साल के बाद भी 1000 लड़कों पर 57 लड़कियाँ कम हैं, तो स्पष्ट है कि प्रकृति नहीं, समाज हस्तक्षेप कर रहा है। 57 बड़ा अंतर है।

सुधार की जो गति चल रही है, उस हिसाब से इस अंतर को पाटने में पच्चीस साल से ज्यादा लग जाएंगे। ये बच्चियां दुनिया में कदम रखें और अच्छी तरह से खुशगवार जिंदगी जिएं, इसके लिए उन्हें बचाने के उपाय, उनकी व्यापकता और गति सब बढ़ाने होंगे। सृष्टि के संतुलन के लिए भी यह जरूरी है। समाज की विडम्बनापूर्ण सोच ही वह 'बाहरी शक्ति' है-भेदभाव, उपेक्षा, असमान पोषण, स्वास्थ्य और अवसर जो संतुलन को बिगाड़ रही है। मौजूदा सुधार की गति से इस अंतर को पाटने में पच्चीस वर्ष से अधिक लग सकते हैं। इसलिए उपायों की व्यापकता और गति दोनों को बढ़ाना अनिवार्य है।

इस बदलाव के पीछे शिक्षा सबसे बड़ा कारक बनकर उभरी है। जब-जब लड़कियों को शिक्षा के समान अवसर मिले, उन्होंने न केवल अपनी क्षमताएँ सिद्ध कीं, बल्कि समाज की दिशा भी बदली। भारत सहित कई देशों में बालिका शिक्षा, छात्रवृत्ति, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने लड़कियों के जीवन-पथ को नया आयाम दिया है। आज ग्रामीण क्षेत्रों तक स्कूल नामांकन में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ी है, उच्च शिक्षा में उनकी उपस्थिति मजबूत हुई है और विज्ञान, तकनीक, खेल, प्रशासन तथा उद्यमिता-हर क्षेत्र में वे अपनी पहचान बना रही हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि अब नीतियाँ केवल संरक्षण तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि सशक्तिकरण की ओर बढ़ी हैं। शिक्षा के साथ-साथ पोषण, मातृत्व स्वास्थ्य, सुरक्षित परिवहन, डिजिटल पहुँच और नेतृत्व प्रशिक्षण, इन सभी ने मिलकर बालिकाओं के आत्मविश्वास को पंख दिए हैं। यह समग्र दृष्टि ही भविष्य की महिलाओं को 'सहायता पाने वाली' नहीं, बल्कि 'निर्णय लेने वाली' बनाती है।

दुनिया के कई देशों में महिलाएँ अब राजनीति, प्रशासन और कॉरपोरेट नेतृत्व में अग्रिम पंक्ति में हैं। वे राष्ट्राध्यक्ष हैं, सेनाओं का नेतृत्व कर रही हैं, वैज्ञानिक खोजों की अगुआई कर रही हैं और वैश्विक संस्थानों में नीति-निर्धारण का हिस्सा हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर प्रतिभा लिंग नहीं देखती। गैलप इंटरनेशनल के सर्वे में उभरी उदासीनता कि संतान का लिंग मायने नहीं रखता, दरअसल इसी विश्वास का सामाजिक विस्तार है कि लड़कियाँ भी उतनी ही सक्षम हैं। पहली बार दुनिया के स्तर पर बालिकाओं को लेकर एक सकारात्मक परिदृश्य उभरा है, इन बालिकाओं को लेकर बदली सोच एवं उभरी शक्ति के परिदृश्यों के बीच यह समय बालिकाओं-महिलाओं पर हो रहे अपराध, शोषण, बलात्कार, भेदभाव के त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है।

माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है। कानून और योजनाएँ आवश्यक हैं, पर पर्याप्त नहीं। असली परिवर्तन संस्कृति में होता है-घर के भीतर, भाषा में, परंपराओं में। जब परिवार बेटी के जन्म को उत्सव मानता है, उसकी शिक्षा में निवेश करता है, उसे निर्णयों में भागीदार बनाता है-तभी लिंगानुपात के आँकड़े स्थायी रूप से सुधरते हैं। मीडिया, साहित्य और सिनेमा की भूमिका भी यहाँ निर्णायक है; वे या तो रूढ़ियों को पोषित करते हैं या नई दृष्टि गढ़ते हैं। आज सकारात्मक प्रस्तुतियाँ बढ़ रही हैं, जो लड़कियों को आत्मनिर्भर, साहसी और नेतृत्वकारी रूप में दिखाती हैं यह सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत का लक्ष्य भी बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना है।

भविष्य की दिशा स्पष्ट है-समानता केवल अधिकारों की सूची नहीं, बल्कि अवसरों की वास्तविक उपलब्धता है। बालिकाओं को बचाना पहला कदम था; अब उन्हें बढ़ने, उड़ने और नेतृत्व करने देना अगला चरण है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार, संपत्ति अधिकार, डिजिटल अवसर और निर्णय-निर्माण में हिस्सेदारी-ये सभी समानता के स्तंभ हैं। यदि इन पर निरंतर और समन्वित कार्य हुआ, तो आने वाले वर्षों में लिंगानुपात केवल सुधरेगा ही नहीं, बल्कि समाज अधिक संतुलित, संवेदनशील और उत्पादक बनेगा। एक समय था जब बालिका को कोख में ही समाप्त कर दिया जाता था; आज वही दुनिया उसके जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त कर रही है। यह बदलाव अधूरा है, पर निर्णायक है। भारत में बेटों की चाहत का घटता ग्राफ, दुनिया भर में लिंग-उदासीनता की बढ़ती प्रवृत्ति और महिलाओं के लिए विस्तृत होती शिक्षा-सशक्तिकरण योजनाएँ-सब मिलकर संकेत देते हैं कि आने वाला समय वास्तव में महिलाओं का समय है। यदि यह गति बनी रही, तो देश की बालिकाएँ न केवल अपना परचम फहराएँगी, बल्कि मानव सभ्यता को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित दिशा भी देंगी। यही सृष्टि का स्वाभाविक और आवश्यक संतुलन है।

राज्य महिला आयोग संगीता जैन ने महिला उत्पीड़न के प्रकरणों की सुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सदस्या उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग संगीता जैन द्वारा जनपद में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने हेतु महिलाओं के लाभार्थ हेतु एक दिवसीय जनसुनवाई कार्यक्रम विकास भवन सभागार कक्ष जोया रोड अमरोहा में आयोजित किया गया जिसमें सदस्या के समक्ष महिलाओं द्वारा प्रस्तुत 07 महिलाओं द्वारा अपनी समस्याओं को रखा जिनको माननीय सदस्य द्वारा गंभीरता पूर्वक सुना गया तथा उन सभी महिलाओं को न्याय दिलाने का आश्वासन देते हुए संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए देते हुए कहा कि प्राप्त प्रार्थना पत्रों का यथा शीघ्र निस्तारण कर आख्या से अवगत कराया जाए एवं महिलाओं से संबंधित अधिक से अधिक प्रकरणों का जनपद स्तर पर ही निस्तारण कर दिया जाएं। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई महिला अगर शिकायत लेकर थाने में जाती है तो पूरी गंभीरता के साथ महिलाओं की शिकायतों को सुनते हुए आवश्यक कार्यवाही करते हुए शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाए। साथ ही उनके द्वारा कहा गया की घरेलू हिंसा से संबंधित जितने भी प्रकरण लंबित हैं ऐसे प्रकरणों में सर्वप्रथम दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी वार्ता वन स्टाफ केंद्र एवं संबंधित महिला थाना पर कराई जाए। सदस्या संगीता जैन, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया की मौके पर जाकर सुलह-समझौते के आधार पर अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराया जाए। निस्तारण में समस्या आने पर आवश्यकता अनुसार प्रशासन का सहयोग लिया

जाए, जिसमें किसी भी प्रकार की स्थिरता या लापरवाही ना बढ़ती जाए तथा प्रदेश सरकार की मंशा के अनुसार महिला आयोग महिलाओं की सुरक्षा एवं न्याय दिलाने को लेकर पूरी तरह से संवेदनशील है। इसके साथ ही सदस्या संगीता जैन द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत हेतु शपथ दिलाई गयी और उनके द्वारा कहा गया कि विवाह के लिए लड़की की न्यूनतम उम्र 18 और लड़के की 21 वर्ष तय की गई है; इस उम्र से कम में होने वाला कोई भी विवाह गैरकानूनी और बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जिस पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। साथ राज्य महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन द्वारा वन स्टॉप सेंटर, अमरोहा में मेडिकल पंजिका, अल्पवास पंजिका को देखा गया और सेंटर मैनेजर एवं मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता से केसों की जानकारी ली। निरीक्षण के समय सखी वन स्टॉप सेंटर अमरोहा के समस्त कार्मिक उपस्थित पाए गए एवं सखी वन स्टॉप केंद्र की साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। इसके साथ ही जिला संयुक्त चिकित्सालय अमरोहा व महिला थाना, अमरोहा का भी निरीक्षण किया गया व्यवस्था एवं साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। समीक्षा बैठक में डॉक्टर ए0के0 भण्डारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, राकेश सिंह जिला जिला प्रोबेशन अधिकारी, मौ. दानिश जिला सूचना अधिकारी, दीप कुमार पन्त, सी0ओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी शे ज्ञान प्रकाश तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, शिखा शर्मा, जिला दिव्यांजन सशक्तिकरण अधिकारी, प्रभारी, मीनाक्षी गुप्ता, महिला थाना, अमरोहा, एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय के समस्त कार्मिक आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय महिला आयोग सदस्य संगीता जैन ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला संयुक्त चिकित्सालय में राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्य संगीता जैन द्वारा एम सी एल विंग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एम.सी.एच विंग के ओ.पी.डी लेबर रूम एस.एन.सी.यू, एम.एन.सी.यू, वार्ड, सर्जिकल वार्ड एवं ट्रामा सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से चिकित्सालय में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। इस अवसर पर चिकित्सालय परिसर में बने बालिका उपवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में पाई गई साफ सफाई व्यवस्था एवं चिकित्सकों एवं स्टाफ की कार्य शैली की सराहना की। मरीज को चिकित्सालय में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भी सराहना करते हुए निर्देश दिए कि भविष्य में इसी प्रकार मरीजों को सुविधा जारी रखी जाए। जिससे अधिक से अधिक मरीज लाभान्वित हो सके।

हरिद्वार जाने वाली रोडवेज बस बंद होने से यात्रियों में रोष, आंदोलन की चेतावनी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- स्थानीय रोडवेज बस स्टैंड से बिजनौर और हरिद्वार के मार्ग पर संचालित होने वाली एकमात्र रोडवेज बस सेवा पिछले दो दिनों से अचानक बंद कर दी गई है। बस का संचालन ठप होने से क्षेत्र के यात्रियों और श्रद्धालुओं में भारी नाराजगी है। बुधवार को राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा के नेतृत्व में बस स्टैंड पर प्रदर्शन कर बस सेवा तत्काल बहाल करने की मांग की । एआरएम के निर्णय पर आपत्ति जताते हुए राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि एआरएम (अमरोहा) द्वारा बस सेवा बंद करने का लिया गया है

निर्णय पूरी तरह जनविरोधी है। उन्होंने इसे धार्मिक भावनाओं से जोड़ते हुए कहा कि यह मार्ग हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए जीवनरेखा है। कृष्ण कुमार शर्मा ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बस सेवा शुरू नहीं की गई, तो संगठन बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होगा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आगामी महाशिवरात्रि का त्योहार नजदीक है। क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु प्रतिदिन धर्म लाभ कमाने और गंगा स्नान के लिए इसी बस से हरिद्वार जाते हैं। इकलौती बस सेवा बंद होने से अब यात्रियों के पास कोई सुलभ विकल्प नहीं बचा है। विशेष रूप से बुजुर्गों और महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों में महिपाल सिंह, कुलदीप गुप्ता, चंद्रभान सिंह, मा रामवीर सिंह, धर्मपाल सिंह ओमवीर सिंह और राजू चौहान सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में विभाग से मांग की है कि यात्रियों की धार्मिक भावनाओं और सुविधा को देखते हुए इस बस का संचालन अविलंब शुरू किया जाए।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची में अपना नाम देखने की प्रकिया की दी जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने सर्व साधारण को सूचित करते हुए बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण (SIR) के अन्तर्गत मतदाता सूचियों का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी 2026 को किया जा चुका है। दिनांक 06 जनवरी 2026 को आलेख्य प्रकाशित मतदाता सूची में अपना नाम खोजने हेतु मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश की वेबसाईट www.ceouttarpradesh.nic.in पर पॉप-अप विन्डो पर प्रदर्शित हो रहे लिंक "Search Your Name by EPIC Number in Draft Electoral Roll, SIR 2026" पर क्लिक करने पर मुख्य पृष्ठ खुलेगा। इस विन्डो पर "Search by EPIC" शीर्षक वाले टैब पर क्लिक करने पर EPIC Number वाले बॉक्स में अपना EPIC नंबर टाईप करें तथा "State" वाले बॉक्स में अपना राज्य चुनकर दिया गया कैप्चा टाईप करें और "Search" बटन पर क्लिक करें। यदि आलेख्य मतदाता सूची में आपका नाम भौजूद है, तो खोज परिणाम में आपके राज्य, जिले, विधान सभा क्षेत्र, भाग संख्या (बूथ), मतदाता क्रमांक इत्यादि विवरण प्रदर्शित होंगे। यदि आपका नाम आलेख्य मतदाता सूची में मौजूद नहीं है, तो परिणाम "No Result Found" के साथ वापस आ जाएगा। इसी प्रकार उक्त विन्डो पर "Search By Details" तथा "Search by Mobile" शीर्षक टैब में मांगी गयी जानकारियां भरकर कैप्चा टाईप करके "Search" बटन पर क्लिक करते हुए अपना नाम आलेख्य मतदाता सूची में खोजा सकता है। उक्त के अतिरिक्त भारत निर्वाचन आयोग के वेब पोर्टल "https://electoralsearch .eci. gov.in" पर सीधे जाकर "Search by EPIC" शीर्षक वाले टैब में जाकर EPIC Number के माध्यम से अपना नाम खोज सकते हैं। परिणाम आलेख्य मतदाता सूची में आपकी प्रविष्टि का विवरण प्रदान करेगा और यदि आपका नाम आलेख्य मतदाता सूची में मौजूद नहीं है, तो परिणाम "No Result Found" के साथ वापस आ जाएगा। उपरोक्त उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार आलेख्य मतदाता सूची में अपना नाम खोजा जा सकता है। यदि आपका नाम आलेख्य मतदाता सूची में प्रदर्शित नहीं होता है. ऐसे नागरिक जो 01जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हों या उससे पूर्व ही पूर्ण कर चुके हों तथा भारतीय नागरिक हों एवं उत्तर प्रदेश के सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र में सामान्यतः निवास कर रहे हों, तो सम्प्रति विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 के मध्य फार्म-6 (प्रथम बार आवेदन कर रहे नए मतदाताओं के पंजीकरण हेतु) भर सकते हैं। साथ ही फार्म-7 (निर्वाचक नामावली में नागि सम्मिलित करने के प्रस्ताव पर आपत्ति एवं पूर्व में शामिल नाम को अपमार्जित करवाने के लिये) तथा फार्म-8 (निवास परिवर्तन / मतदाता सूची में संशोधन / मतदाता फोटो पहचान पत्र का प्रतिस्थापन /दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन हेतु) भरा जा सकता है। उपर्युक्त सभी फार्म अपने बूथ लेवल अधिकारी (BLO) या तहसील स्थित मतदाता पंजीकरण केन्द्र (VRC) या जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से प्राप्त करते सकते हैं। भरा हुआ फार्म (घोषणा प्रपत्र सहित) निम्नलिखित स्थानों पर जमा किया जा सकता है। अपने पोलिंग बूथ के बूथ लेवल अधिकारी (BLO) के पास तहसील स्थित मतदाता पंजीकरण केन्द्र (VRC) पर तहसील के तहसीलदार / सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में, तहसील के उप जिलाधिकारी / निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में, जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में, मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने एवं संशोधन इत्यादि के लिये भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाईट https://voters.eci.gov.in पर अपने Mobile No. द्वारा ऑनलाईन माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है तथा आवेदन फार्म डाउनलोड भी किया जा सकता है। साथ ही आयोग के ऐप ECINET अस्त्रस्त्र डाउनलोड कर ऑनलाईन सभी प्रकार के फार्म भरे जा सकते हैं।

मासूम से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 12 घंटे में पुलिस ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार

अमरोहा(सब का सपना):- जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। सैदनगली थाना क्षेत्र में साढ़े तीन साल की एक मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने मात्र 12 घंटे के अंदर मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया और क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज त्यागी के पर्यवेक्षण में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई की। मंगलवार को पीड़िता की मां द्वारा थाना सैदनगली में दी गई तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसमें पाक्सो एक्ट के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस पंजीकृत हुआ। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों ने तुरंत मौके का निरीक्षण किया और पुलिस टीमों का गठन किया। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच से संदिग्ध की पहचान हुई, जो बच्ची के साथ जाते और उसके आसपास घूमते दिख रहा

था। फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान गजेंद्र सिंह पुत्र मल्लाह सिंह (48) के रूप में हुई। बुधवार सुबह बेगपुर मुंडा नहर पुल पर चेकिंग के दौरान बाइक सवार आरोपी ने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की। नहर की पटरी पर बाइक गिर गई और आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसमें एक गोली वरिष्ठ उपनिरीक्षक दीपक कुमार की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग से आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा, दो खाली खोखे, एक जिंदा कारतूस और नंबर प्लेट रहित स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद हुई। पूछताछ में गजेंद्र सिंह ने दुष्कर्म की वारदात कबूल कर ली। घायल आरोपी को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी हसनपुर भेजा गया है, जहां पुलिस अभिरक्षा में उसका इलाज चल रहा है। अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस की इस सराहनीय कार्रवाई पर एसपी अमित कुमार आनंद ने टीम को 25,000 रुपये नकद पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया। अमरोहा पुलिस ने साफ संदेश दिया है कि बच्चों के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। यह घटना समाज में बाल सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाती है, जबकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई सराहनीय है।

रोटरी क्लब भरतियाग्राम का न्यू ईयर मेला 10 जनवरी को

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रोटरी क्लब भरतियाग्राम के तत्वावधान में रोटरी न्यू ईयर मेला 2026 का आयोजन 10 जनवरी को हाईवे किनारे स्थित होटल स्वागत में शाम छह बजे से किया जाएगा। बुधवार को जुबिलेंट एग्री एंड कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के यूनिट हेड एवं रोटरी क्लब भरतियाग्राम के प्रेसीडेंट देवेंद्र बंसल ने यह जानकारी

दी। उन्होंने बताया कि मेले में मनोरंजन एवं खान-पान के व्यापक प्रबंध रहेंगे। मुख्य अतिथि मंडी धनौरा की एसडीएम विभा श्रीवास्तव एवं सीओ अंजलि कटारिया होंगीं। लकी ड्रा आकर्षण का केंद्र होगा। उन्होंने बताया कि मेला आयोजन से होने वाली आय को सामाजिक कार्यों में खर्च किया जाएगा।

परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस ने ट्रक/बस चालको को सड़क सुरक्षा के नियमो के प्रति किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अन्तर्गत परिवहन आयुक्त उ0प्र0 के आदेशानुसार एवं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निदेर्शानुसार, उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) बबीता वर्मा एवं उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) महेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में गैर सरकारी संगठन निरंकारी मिशन गजरौला के सहयोग से परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से ट्रक/बस चालको को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गजरौला कस्बें की जुबीलेन्ट फेक्ट्री के ट्रक यार्ड में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त जागरूकता शिविर में यात्री/मालकर अधिकारी सुधीर सिंह, जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल

कुमार जग्गा एवं यातायात उपनिरीक्षक योगेन्द् सिंह, जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति के सदस्य एवं निरंकारी मिशन के प्रतिनिधि गुलशन पुरी , जुबीलेन्ट फेक्ट्री के सुरक्षा अधिकारी गौरव कुमार उपस्थित रहें। जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा ने गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहॉ कि सड़क दुर्घटनाओं के कारण लाखो लोग मौत के मुहॅ में जा रहें हैं जिसका मुख्यता कारण तेज रफ्तार और नशा करके वाहन चलाना हैं वाहन संचालन के समय कुछ सावधानिया आवश्यक हैं जिनका पालन करना हर वाहन चालक का दायित्व हैं। जग्गा ने अपने सम्बोधन में वाहन चालको को सुरक्षित वाहन संचालन के टिप्स भी दिये कहॉ कि अगर आप अस्वस्थ है अथवा देर रात्रि के जागे हुए है या भारी थकान एवं मानसिक तनाव की स्थिति में है तो इन हालात में कभी भी वाहन का संचालन ना करे। अगर आपकी उम्र 40 वर्ष से अधिक हो चुकी हैं और आप वाहन संचालन

जैसे पेशे में हैं तो आपको नियमित अपने स्वास्थ की जॉच करानी चाहिऐ जिसमें खास तौर से नेत्र परिक्षण तो अवश्य करायें। क्योकि कलर बलाइनेंस नामक रोग सुरक्षित ड्राईविंग में बडा बाधक कारक है तथा ये कारण भी हादसो का एक बडा कारण है इन हालातो में जहॉ तक सम्भव हो वाहन संचालन से परहेज करें। जब आप बिल्कुल फिट हो तभी वाहन संचालन करें। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए यात्री/मालकर अधिकारी सुधीर सिंह एव योगेन्द्र सिंह ने भी वाहन चालको को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया तथा सुरक्षित वाहन संचालन के टिप्स दिये तथा सडक दुर्घटना के प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गोष्ठी में सुरक्षित वाहन संचालन एवं सड़क दुर्घटनाओ को कैसे रोका जा सकता हैं इस पर चर्चा करते हुए अपने सम्बोधन में सुधीर ने वाहन चालको के स्वास्थ को लेकर सडक सुरक्षा पर चिन्ता् व्यक्त की तथा कहा कि जिस प्रकार एक अनफिट वाहन का संचालन करना आमजन के लिए खतरनाक हैं उसी प्रकार से एक अस्वास्थन वाहन चालक द्वारा वाहन का संचालन करना भी उतना ही खतरनाक है। वाहन की समय से आवश्यरक मेन्टीवनैन्सन / फिटनेस आदि कराना एवं आवश्य क प्रपत्रो को निर्धारित समय में नवीनीकरण एवं प्रदुषण जॉच आदि कराना अति आवश्यक हैं इसका उलंघन्न वाहन चालक के भीतर भय पैदा करता हैं जोकि वाहन चालक के मानसिक तनाव का बढाता है। तथा वाहन चालक चैकिंग से बचने के लिए अपने वाहन को डर के महौल में संचालित करता हैं तथा कई बार वह चैकिंग दल से बचने के लिए वाहन को असुरक्षित ढंग से संचालित करता हैं तथा दुघर्टना कर बैठता हैं इस लिए सड़क एवं यातायात नियमो का पालन करना जरूरी हैं। कार्यक्रम के अन्त में सभी वाहन चालको का सुरक्षित वाहन संचालन हेतु सडक सुरक्षा शपथ ग्रहण कराई गयी।

चोरों ने किसान के खेत से 10 पॉपलर के पेड़ो पर चलाई आरी

धनोरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनोरा थाना क्षेत्र के गांव चुचेला खुर्द में मंगलवार बुधवार की रात एक किसान के खेत से करीब 10 मोटे पॉपुलर के पेड़ काट लिए यह घटना रसूलपुर पुलिस चौकी से मात्र 300 मीटर की दूरी पर हुई। जिस पर पुलिस की कार्य शैली पर सवाल उठ रहे हैं। इस दौरान पीड़ित किसान रामपाल सिंह ने बताया कि उन्होंने यह पेड़ बहुत ही मेहनत से लगाए थे। और अब वे तैयार हो चुके थे। बुधवार सुबह जब वह अपने खेत पर पहुंचे, तो पेड़ो को गायब देखकर हैरान रह गए खेत में कटे हुए कुंड और बिखरे अवशेष मिले जिससे चोरी की पुष्टि हुई। किसान के अनुसार रात के अंधेरे में ट्रैक्टर ट्राली या किसी बड़े वाहन का इस्तेमाल करके पेड़ों को काटकर चोर ले गए होंगे। इस चोरी से उन्हें काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। रामपाल सिंह रसूलपुर चौकी पर पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है और पुलिस गस्त बढ़ाने तथा रात्रि चौकसी मजबूत करने की मांग की है।

साइबर ठगी के पांच शातिर गिरफ्तार, 10 म्यूल अकाउंट से लाखों की धोखाधड़ी का खुलासा

अभियुक्तों ने खुलवाए 10 बैंक अकाउंट, 11 राज्यों में 25 शिकायतें दर्ज

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस की साइबर अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जनपद संभल पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। थाना बहजोई पुलिस ने म्यूल बैंक अकाउंट धारकों और संलिप्त संदिग्धों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम शाहरुख पुत्र मुस्तकीम, सलमान पुत्र शकील, अमान पुत्र शकील, गुड्डू राघव पुत्र रतिभान तथा पवन पुत्र तेजराम हैं। इनसे साइबर अपराध में इस्तेमाल हुए 4 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। सभी अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार और अपर पुलिस

अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई आलोक कुमार भाटी के नेतृत्व में की गई। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश की प्राथमिकता के अनुरूप साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का यह हिस्सा है। जांच में पता चला है कि अभियुक्तों ने विभिन्न बैंकों - यूपी ग्रामीण बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा तथा इंडियन बैंक - में कुल 10 बैंक खाते खुलवाए थे। इन खातों को एनसीआरपी पोर्टल पर जांचने पर सामने आया कि इनके खिलाफ उत्तर प्रदेश (नोएडा सहित) और दिल्ली, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, असम तथा राजस्थान समेत 11 राज्यों में 25 शिकायतें दर्ज हैं। इनमें कुल 12 लाख 22 हजार 500 रुपये की ठगी की धनराशि शामिल है। अभियुक्तों के इन 10 खातों में करीब 17 लाख रुपये क्रेडिट हुए, जिनमें से 16 लाख रुपये उन्होंने निकाल लिए। वर्तमान में इन खातों में अभी भी 1 लाख 18 हजार रुपये साइबर फ्रॉड की राशि के रूप में मौजूद हैं, जिसकी गहन जांच चल रही है। अभियुक्त अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर भोले-भाले लोगों के मोबाइल फोन हैक कर लेते थे। फिर पीड़ित के कॉन्टैक्ट लिस्ट से परिचित बनकर फोन करते और बीमारी, एक्सीडेंट या विदेश में फंस जाने जैसी झूठी कहानियां सुनाकर पैसे मांगते थे। कुछ मामलों में पीड़िताओं की फोटो लेकर उन्हें अश्लील बनाकर वायरल करने की धमकी देकर भी ब्लैकमेलिंग की गई। ठगी की रकम इन म्यूल अकाउंट्स में ट्रांसफर करवाई जाती थी। पुलिस ने अभियुक्तों को बुधवार को थाना बहजोई पर दर्ज मुकदमे में गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि साइबर अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे गिरोहों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जनता से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज पर पैसे ट्रांसफर न करें और तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

सहायक पुलिस अधीक्षक को अपर पुलिस अधीक्षक पद पर मिली पदोन्नति, डीएम-एसपी ने लगाया रैंक बैज

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस विभाग के लिए खुशी का माहौल रहा। बुधवार को पुलिस कार्यालय बहजोई में आयोजित पिपिंग सेरेमनी में सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी संभल आलोक कुमार भाटी को अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत होने पर बधाई दी गई। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने स्वयं आलोक कुमार भाटी को नई रैंक का प्रतीक चिन्ह (अशोक स्तंभ) लगाकर पदोन्नति की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। पदोन्नत अधिकारी आलोक कुमार भाटी ने सभी का आभार व्यक्त किया और बेहतर सेवा का संकल्प लिया। यह पदोन्नति पुलिस विभाग में उत्साह का संचार करने वाली है।

राष्ट्रीय जनता शासन पार्टी की बैठक संपन्न, सरकार पर साधा निशाना

बहजोई/संभल (सब का सपना):- राष्ट्रीय जनता शासन पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष राम रहीश उर्फ राजेश यादव के कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार किया और जनता से पार्टी का साथ देने की अपील की।kजिला अध्यक्ष राम रहीश उर्फ राजेश यादव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार किसानों के साथ न्याय नहीं कर रही है। किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जनता शासन पार्टी का साथ दें, तो हम शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों की

फसलों के सही दाम सुनिश्चित करेंगे। उनके हक का एक-एक पैसा उन्हें मिलेगा। राम रहीश ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन क्षेत्रों पर ध्यान नहीं दे रही, जिससे अमीर और अमीर होते जा रहे हैं जबकि गरीब और गरीब। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि पार्टी का साथ दें, ताकि रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर ठोस काम किया जा सके।

बैठक में जिला पंचायत प्रत्याशी डॉक्टर दानवीर यादव ने भी हिस्सा लिया और सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज पढ़ा-लिखा व्यक्ति हल चला रहा है, जो बेरोजगारी की गंभीर स्थिति को दशार्ता है। रोजगार का बड़ा मुद्दा बताते हुए उन्होंने पार्टी के माध्यम से युवाओं को न्याय दिलाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष उमेश यादव, जिला महासचिव पिंटू शर्मा, छात्र सभा नेता गुड्डू यादव, विधान सभा अध्यक्ष राम खिलाड़ी, जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर यादव, ब्लॉक अध्यक्ष राधे श्याम आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग की बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत ए आर कॉपरेटिव ज्ञान प्रकाश सिंह द्वारा जिला सहकारिता समिति के उद्देश्य को लेकर जानकारी प्रदान की गयी तथा उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य सहकारिता से जुड़े विभिन्न विभाग समन्वय करते हुए चर्चा करें। उन्होंने बताया कि जनपद में सहकारिता के अन्तर्गत 67 ग्राम पंचायत में बी पैक्स का गठन किया जाना है जिनमें से 21 का गठन कर लिया गया है एवं अन्य के लिए कार्यवाही जारी है। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा

कि आगामी माह की बैठक से पूर्व 67 बी पैक्स के गठन का लक्ष्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें।मत्स्य विभाग के अधिकारी द्वारा बताया गया कि 4 नयी सोसाइटी का गठन किया जाना है तथा पूर्व में तीन सोसाइटी का गठन किया गया था। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सोसाइटी की संख्या को बढवाना सुनिश्चित करें। हैचरी को लेकर क्या कार्य किया जा रहा है उसको लेकर भी जानकारी प्राप्त की गयी। दुग्ध विभाग के अन्तर्गत चल रहीं समितियों के विषय में भी जानकारी प्राप्त की गयी तथा एन आर एल एम से लिंकेज तथा एनआरएलएम की महिला सोसाइटी बनवाने के लिए भी संबंधित को निर्देशित किया। अधिक से अधिक समितियां के गठन को लेकर भी निर्देशित किया। डीएलआईएमसी की बैठक भी की गयी तथा 43 समितियों की बैलेंस शीट ऑडिट को लेकर भी चर्चा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है।महत्व को ध्यान में रखते हुए कार्य किये जाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, ए आर कॉपरेटिव ज्ञान प्रकाश सिंह, नाबार्ड जिला प्रबंधक विकास कंसल , मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला सहकारी बैंक मुरादाबाद प्रेम सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बहजोई पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद सम्भल में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में बुधवार को बड़ी सफलता मिली है। थाना बहजोई पुलिस टीम ने एक वारंटी अभियुक्त दीपक पुत्र भूरे,को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त पर पहले से मुकदमा दर्ज

है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में निरीक्षक अशोक कुमार और कांस्टेबल अजयवीर सिंह शामिल रहे। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश करने की तैयारी कर ली है। पुलिस ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। जनपद में ऐसे अभियानों से अपराधियों में दहशत है और कानून-व्यवस्था मजबूत हो रही है। प्रभारी निरीक्षक संत कुमार, उप

धनौरा विधानसभा में 58,455 मतदाताओं के नाम सूची से हटे,शहरवार आंकड़े और जुड़वाने की प्रक्रिया

धनौरा/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के धनौरा विधानसभा (39) क्षेत्र में एस आई आर की ड्राफ्ट सूची जारी होने के बाद मतदाताओं की संख्या में कमी आई है। एस आई आर के पहले कुल मतदाताओं की संख्या 3,48,805 थी जो अब घटकर 2,90,350 रह गई है। इस प्रक्रिया में 58,455 मतदाता 'अन कलेक्टेबल' पाए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र में 'अन कलेक्टेबल' पाए गए मतदाताओं में 8,021 मृतक, 27,212 स्थाई रूप से स्थानांतरित, 5,514 डुप्लीकेट, 12,781 अनुपस्थित और 4,927 अन्य श्रेणियां के मतदाता शामिल हैं।

इन सभी की अगर शहरवार स्थिति देखी जाए तो गजरौला में पहले 45,373 मतदाता थे जांच के बाद

16,252 मतदाता अन कलेक्टेबल पाए गए जो कुल का लगभग 35% है अब गजरौला में 29,121 मतदाता शेष है। नौरा शहर में पहले 23,515 मतदाता थे इनमें से 5,591 मतदाता अन कलेक्टेबल पाए गए जो कुल का 23.77 प्रतिशत है वर्तमान में यहां 17,924 मतदाता शेष हैं। बछरायूं में पहले 23,963 मतदाता थे जांच के बाद 5,135 मतदाता अन कलेक्टेबल पाए गए जो कुल का 21.42 प्रतिशत है अब बछरायूं में 18,828 मतदाता शेष रह गए हैं। चुचैला कलां मैं पहले 9,242 मतदाता थे यहां 2,526 मतदाता अन कलेक्टेबल पाए गए जो कुल का 27.33 प्रतिशत है। अब गांव में 6,716 मतदाता शेष है। जिन मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिये गए हैं या छूट गए हैं वह उन्हें दोबारा जुड़वा सकते हैं इसके लिए संबंधित बीएलओ ,नगर पालिका पंचायत कार्यालय या तहसील स्थित चुनाव कार्यालय में फॉर्म-6 भरकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक के साथ आधार कार्ड ,राशन कार्ड ,निवास प्रमाण पत्र या बिजली बिल जैसे पते की प्रमाण और एक फोटो संलग्न करना अनिवार्य है। इस बारे में एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने पर नाम दोबारा सूची में जोड़ दिए जाएंगे, उन्होंने नागरिकों से ड्राफ्ट सूची में अपना नाम जांचने और यदि नाम नहीं हो तो तुरंत संबंधित कार्यालय से संपर्क कर नाम जुड़वाने की अपील की है ,नाम जुड़वाने और संशोधन की अंतिम तिथि 6 फरवरी है।

डीएम ने तहसील स्तरीय अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक कार्यालय में जनसुनवाई करने के दिए सख्त निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण तथा समयबद्ध निस्तारण की दृष्टि से मुख्यमन्त्री, उत्तर प्रदेश द्वारा समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियो एवं तहसील स्तरीय अधिकारियो को प्रातः 10.00 बजे से मध्यान्ह 12.00 बजे तक अपने कार्यालय में उपस्थित होकर जनसुनवाई किये जाने के निर्देश दिये गये हैं तथा पूर्वान्ह मे किसी भी प्रकार की

वीडियोकान्फ्रेंस एवं बैठक आयोजित न किये जाने के निर्देश पूर्व से निर्गत हैं। इस सम्बन्ध में मुख्यमन्त्री कार्यालय द्वारा जिलो के साथ समन्वय करते हुए अनुस्रवण किया जायेगा। इस सम्बन्ध में पूर्व में भी निर्देश निर्गत किये गये हैं। डीएम ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियो एवं तहसील स्तरीय अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमन्त्री के निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए अपने कार्यालय मे प्रातः 10.00 बजे से मध्यान्ह 12.00 बजे तक अपने कार्यालय में उपस्थित रह कर जनसुनवाई करते हुए आमजन की समस्याओ का त्वरित एवं गुणवत्तापरक निस्तारण करना सुनिश्चित करे। इसमें कोई लापरवाही न बरती जाये।

रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण केंद्र का पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण) ने किया निरीक्षण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पुलिस के रिक्रूट आरक्षी प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी), ईश्वर दास टेक्निकल इंस्टीट्यूट, बहजोई (संभल) का बुधवार को पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण) हरि गोविंद ने क्षेत्राधिकारी/अपर पुलिस अधीक्षक आलोक भाटी के साथ भ्रमण कर गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण) ने रिक्रूट आरक्षियों की बैरकों, ड्रिल एवं पीटी ग्राउंड, शूटिंग एरिया तथा पूरे प्रशिक्षण परिसर का बारीकी से

अवलोकन किया। प्रशिक्षण की गुणवत्ता, अनुशासन, स्वच्छता, सुरक्षा मानकों और उपयोग में लाए जा रहे संसाधनों की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण) हरि गोविंद ने प्रशिक्षण को अधिक व्यावहारिक, सुदृढ़ और उच्च स्तरीय बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से अनुशासन, शारीरिक दक्षता, शस्त्र संचालन और पेशेवर दक्षता पर जोर देते हुए निर्देश जारी किए, ताकि रिक्रूट आरक्षी भविष्य में कुशल और अनुशासित पुलिसकर्मी बन सकें। यह निरीक्षण उत्तर प्रदेश पुलिस में नवभर्ती आरक्षियों को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 11 जनवरी को सभी पोलिंग बूथों पर विशेष अभियान

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 की जानकारी दी है। इस कार्यक्रम के तहत आलेख्य (ड्राफ्ट) निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 06 जनवरी 2026 को कर दिया गया है। ये आलेख्य मतदाता सूचियां निःशुल्क निरीक्षण के लिए सभी मतदान केंद्रों (पदाभिहित स्थलों) पर, संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) के पास, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय (तहसील

कार्यालय) तथा जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध हैं। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक रहेगी। इस दौरान मतदाता अपने नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन के लिए आवेदन कर सकते हैं। विशेष अभियान के रूप में 11 जनवरी 2026 (रविवार) को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में बीएलओ द्वारा मतदाताओं की उपस्थिति में आलेख्य मतदाता सूची पढ़ी जाएगी। पदाभिहित अधिकारी, सुपरवाइजर आदि भी उपस्थित रहेंगे। बैठक से पूर्व मतदाताओं को पूर्व सूचना दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक उपस्थिति सुनिश्चित हो और सूची में त्रुटियों का पता चल सके। बीएलओ अपने पास अद्यतन मतदाता सूची के साथ फॉर्म-6 (नया नाम जोड़ने के लिए), फॉर्म-7 (नाम हटाने के लिए), फॉर्म-8 (संशोधन के लिए) तथा घोषणापत्र (अनुलग्नक-4) की प्रतियां रखेंगे। 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवा, महिलाएं या छूटे हुए व्यक्तियों के नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 भरवाकर दस्तावेज जमा कराए जाएंगे। इस दिन सभी मतदान केंद्र वाले विद्यालय एवं भवन खुले रहेंगे तथा सहयोगी अध्यापक एवं कार्मिक सहायता करेंगे। नोडल एवं पर्यवेक्षण अधिकारी अपने क्षेत्र में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक अधिकारी सभी बीएलओ, सुपरवाइजर एवं पदाभिहित अधिकारियों को निर्देशित करेंगे कि 11 जनवरी को निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर सूची पढ़ी जाए और शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। डॉ. पैंसिया ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। मतदाताओं से अपील है कि वे अपनी मतदाता सूची की जांच करें और आवश्यक संशोधन कराएं ताकि लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित हो।

यातायात पुलिस ने स्कूली बच्चों को कोहरे में सुरक्षित यात्रा के लिए किया जागरूक

बबराला/संभल(सब का सपना):- कोहरे के मौसम में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संभल पुलिस ने बुधवार को विशेष जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक संभल के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात तथा प्रभारी यातायात दुष्यंत बालियान के मार्गदर्शन में यह अभियान जारी है। अभियान के तहत इंदिरा चौक बबराला स्थित यातायात पुलिस बूथ के सामने तैनात टीएसआई सुरेश कुमार एवं मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बच्चों को विशेष रूप से घने कोहरे में स्कूल आते-जाते समय अपनाई जाने वाली सावधानियों पर जोर दिया गया। पुलिस कर्मियों ने बताया कि कोहरे

में वाहन चलाते समय गति कम रखें, सड़क की सफेद पट्टी (व्हाइट लाइन) का अनुसरण करें तथा वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। पैदल चलते समय हमेशा सड़क के बाईं ओर चलें तथा चौराहा पार करते समय स्टॉप लाइन पर रुककर दाएं-बाएं देखें, उसके बाद ही सड़क पार करें। साथ ही सड़क पर दौड़ने से बचें और सभी यातायात संकेतों का पालन करें।

अधिकारियों ने बच्चों से कहा, यातायात नियमों का पालन करने से दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। आप देश का भविष्य हैं और आपका जीवन अनमोल है। यदि आप स्वयं जागरूक रहेंगे तो दूसरों को भी जागरूक करने में मदद मिलेगी।

यह अभियान जिले में बढ़ते कोहरे के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस द्वारा ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर चलाए जा रहे हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट की रेलवे को फटकार... भगदड़ मामले में हलफनामा न दाखिल करने पर नाराजगी, क्या है अगली घटना का इंतजार?

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने 15 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ के मामले में रेलवे अधिकारियों द्वारा जवाब दाखिल न करने पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों से सवाल किए और अपनी नाराजगी जाहिर की। बेंच ने पूछा कि क्या यह जनहित का मामला अधिकारियों के लिए कोई सबक नहीं है? क्या आप चाहते हैं कि कोई और गंभीर घटना हो? कोर्ट ने पूछा कि लगभग एक साल बाद भी हलफनामा क्यों दाखिल नहीं किया गया? क्या अधिकारी किसी और घटना का इंतजार कर रहे हैं? बेंच ने कहा कि रेलवे की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल के बयान के बावजूद हलफनामा दाखिल नहीं किया गया है। कोर्ट ने रेलवे को 26 मार्च, 2025 तक रेलवे बोर्ड द्वारा लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। हालांकि, कोर्ट ने पाया कि आज तक कोई हलफनामा दाखिल नहीं किया गया है।

दिल्ली आने वाली 35 से अधिक ट्रेनें लेट, ठंड में ठिठुरे यात्री; देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली। कोहरे के कारण बुधवार को दिल्ली आने वाली 35 से अधिक ट्रेनें दो घंटे से अधिक विलंब चल रही हैं। सबसे अधिक परेशानी पूर्व और दक्षिण दिशा के यात्रियों को हो रही है। दरभंगा-आनंद विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस लगभग 21 घंटे के विलंब से गंतव्य पर पहुंची। इस कारण आनंद विहार टर्मिनल से मंलवार अपरा 3.10 पर चलने वाली यह ट्रेन बुधवार को 20.05 घंटे की देरी से पूर्वा 11.15 बजे रवाना होगी। राजधानी सहित कई अन्य ट्रेनें भी देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचेंगी। इस कारण कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव किया गया है। शाम तक देरी से रवाना होने वाली ट्रेनों की संख्या बढ़ने की संभावना है। वहीं, लोकल ट्रेनें देरी से चलने के कारण दैनिक यात्री भी परेशान हैं। बुधवार को सहारनपुर-पुरानी दिल्ली पैसेंजर व दनकौर-शकूरबस्ती ईएमयू लगभग एक घंटे, पानीपत-नई दिल्ली महिला विशेष ईएमयू, गाजियाबाद-पुरानी दिल्ली ईएमयू व कुरुक्षेत्र-हजरत निजामुद्दीन एमईएमयू आधे घंटे की देरी से चल रही हैं।

चाकू मारकर लूट का प्रयास करने वाला बदमाश गिरफ्तार, बाल-बाल बची युवक की जान

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में तिगड़ी थाने की टीम ने चाकू मारकर युवक से लूट का प्रयास करने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी राहुल जेजे कैंप तिगड़ी का रहने वाला है और क्षेत्र का घोषित बदमाश है। इस पर हत्या के प्रयास समेत पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। इलाके में चाकू की नोक पर लोगों से पैसे मांगता है। युवक से भी उसने पैसे मांगे थे, मना करने पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया था। पुलिस के मुताबिक, दो जनवरी को जेजे कैंप तिगड़ी में चाकूबाजी को लेकर पीसीआर कॉल आई। फोन करने वाले ने बताया कि गली में बाइक से जाने के दौरान एक लड़के ने मेरे पैर में चाकू मारा है, खून नहीं रुक रहा है। टीम के मौके पर पहुंचने से पहले शिकायतकर्ता घायल अमन कुमार को लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। मदन मोहन मालवीय अस्पताल से एमएलसी कराने के बाद घायल ने बताया कि राहुल उर्फ रामावतार इलाके का बदमाश है। वह उसे धमकी देता था और पैसे मांगता था, लेकिन उसने पैसे नहीं दिए। कल वह उससे उसके घर के बाहर मिला। राहुल ने फिर से उससे पैसे मांगे। इस बार भी उसने मना कर दिया। इस पर राहुल ने चाकू निकालकर पहले उसकी गर्दन पर हमला किया, जिसमें वह बाल-बाल बच गया। इसके बाद उसने उसकी दाहिनी जांघ पर चाकू मार दिया। इस पर तिगड़ी थाने में धारा 118(1)/351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। एसएचओ तिगड़ी शिव कुमार ने एएसआई नीरज ने नेतृत्व में टीम गठित की। भागने की फिराक में छिपे आरोपी राहुल उर्फ रामावतार को टीम ने थाना क्षेत्र से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच अभी की जा रही है।

मर्डर से फिर दहली दिल्ली, युवक की चाकू से गोदकर हत्या; मां बोली- मेरा सहारा छीन लिया

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के अंबेडकरनगर थाना क्षेत्र स्थित दक्षिणपुरी में पुराने विवाद में मंगलवार रात एक युवक की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 24 वर्षीय करण के रूप में हुई है। दो महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाला जा रहा है। राजधानी दिल्ली में लगातार चाकूबाजी की घटना सामने आ रही है। कुछ दिन पहले ही जहांगीरपुरी और वेलकम इलाके में भी चाकूबाजी की घटना हुई। अब दक्षिणी दिल्ली में भी वैसी ही घटना को लेकर लोगों में दहशत है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना की सूचना मृतक की मां को तब मिली जब वह ड्यूटी से घर पहुंचीं। आस-पास तलाश कर ही रही थीं कि किसी ने फोन पर बेटे करण को चाकू मारे जाने व अस्पताल में भर्ती होने की सूचना दी। अस्पताल पहुंचने तक बेटे ने दम तोड़ दिया। मृतक करण की मां ने बताया कि सुबह ड्यूटी जाते समय बेटे ने बस स्टाप तक ड्राप किया था। वह अपने काम से भी शाम को छह बजे तक वापस घर आ जाता है, जिसके बाद वह फिर कहीं नहीं जाता और घर में ही रहता है। मेरे घर का यही सहारा था। अभी इसके शादी को दो ही महीने ही हुए थे। बताया कि मेरा बड़ा बेटा मेरे साथ नहीं रहता है। यही मेरे जीने का सहारा था। साथ ही वह बताती हैं कि बिल्ला नामक युवक ने मेरे बेटे करण के साथ झगड़ा किया था और कहा था कि उसे मार दूंगा।

तुर्कमान गेट बवाल में क्या है सपा एमपी मोहिबुल्लाह का रोल? रात में आए और तुरंत चले गए, पुलिस करेगी पूछताछ

नई दिल्ली। दिल्ली में तुर्कमान गेट स्थित सैयद फैज इलाही मस्जिद के पास बुलडोजर एक्शन के दौरान हुए बवाल में सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी का कनेक्शन सामने आ रहा है। कहा जा रहा है कि बवाल करवाने में उनका हाथ है, लेकिन इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। एमसीडी ने सैयद फैज इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण पर बुलडोजर चलवाया तो कुछ शरारती तत्वों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। इसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं, पुलिस ने इस मामले में गंभीर धाराओं में मामला भी दर्ज कर पांच लोगों को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है। संयुक्त आयुक्त मधुर वर्मा का कहना है कि कुछ लोगों के बुलाने पर सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी मंगलवार देर रात करीब 11.15 बजे डेमोलेशन वाले जगह के आसपास आए थे। वहां उन्होंने एक घंटे तक रुककर स्थानीय लोगों से मीटिंग की थी, उसके बाद सवा 12 बजे के करीब दिल्ली से वापस यूपी चले भी गए थे। उसके कुछ घंटे बाद बुलडोजर की कारवाई शुरू हुई। अभी तक पुलिस को यह जानकारी नहीं मिली है कि वह लोगों को भड़काने और दंगा कराने के मकसद से दिल्ली आए हुए थे। उन्होंने लोगों को भड़काने का काम किया था। अगर इस तरह की बात सामने आती है तो उन्हें नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा और उनसे पूछताछ की जाएगी।

भाकियू शंकर ने कलेक्ट्रेट पर मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर को सौंपा मांग पत्र

अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को चौधरी विक्रम पवार की अध्यक्षता व प्रदेश प्रवक्ता सत्यवीर सिंह के संचालन में भारतीय किसान यूनियन शंकर का किसानों के विभिन्न समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन कलेक्ट्रेट पर हुआ जिसको संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने के दावे जमीनी हकीकत में पूरे होते नजर नहीं आ रहे हैं। प्रदेश में विभागीय भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है चकबंदी विभाग चकबंदी ना करके लूटबंदी कर रहा है माननीय मुख्यमंत्री के आदेशों की अवेल ना करते हुए जनपद में मनमानी करने पर उतारू है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है, वहीं खाद, बीज, बिजली और डीजल की बढ़ती कीमतों ने खेती को घाटे का सौदा बना दिया है। गन्ना घटतौली लगातार हो रही है , फसल बीमा और मुआवजा न मिलने से किसान गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है,आवारा पशुओं से फसलों को भारी नुकसान हो रहा है, लेकिन प्रशासन द्वारा इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। किसानों ने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंद किसानों तक नहीं पहुँच पा रहा है। संगठन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर कई गंभीर मुद्दों का समाधान करने की मांग की है। संगठन ने जिला अधिकारी अमरोहा को भी इस संबंध में अवगत कराया है।संगठन ने विशेष रूप से निम्नलिखित मांगें रखी हैं। चकबंदी प्रक्रिया को समाप्त किया जाए और किसानों की जमीन की वास्तविक स्थिति को अभिलेखों में सही ढंग से दर्ज किया जाए। किसान केंद्रों, बैंकों और धान क्रय केंद्रों पर डिजिटल वेरिफिकेशन की कनेक्टिविटी सुधारें। शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, आशा व सफाई कर्मियों को न्यूनतम वेतन 30,000 रुपये प्रतिमाह प्रदान किया जाए। गन्ना विकास सहकारी समितियों को NABARD में पंजीकृत कर किसानों को लाभान्वित किया जाए। जिला सहकारी बैंक बोर्ड का गठन शीघ्र किया जाए और ब्याज व ऋण प्रणाली में सुधार किया जाए।केसीसी की सीमा 5 लाख रुपये की जाए और बैंक द्वारा अवैध ब्याज वसूलना बंद किया जाए। गन्ना क्रय केंद्रों पर घटतौली रोकने हेतु कार्यवाही और निगरानी व्यवस्था लागू की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में रोडवेज बस सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डिडौली क्षेत्र में 132 केवीए विद्युत घर स्थापित किया जाए।अमरोहा विकास प्राधिकरण का गठन और गजरौला में ट्रॉमा सेंटर स्थापित किया जाए। जनपद की क्षतिग्रस्त सड़कों और संपर्क मार्गों का नवनिर्माण किया जाए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को ऐच्छिक बनाया जाए। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु अंडरपास पर रिफ्लेक्ट मिरर और अन्य सुरक्षा उपाय किए जाएं।इस दौरान आंदोलन में चौधरी धर्मवीर सिंह, चौधरी नेमपाल सिंह, सुभाष यादव, वीर सिंह चौहान, लोकेश प्रधान, अमित गुर्जर, हरि सिंह, प्रधान जी समरपाल सैनी चंद्रभान सैनी ,हैप्पी हरप्रीत, नैपाल सिंह, मनोज कुमार ,राकेश सिंह, अनिल कुमार ,बबीता रानी, मंजू चौधरी ,ज्योति चौहान ,हरवती, प्रियंका भटनागर, मंजू शर्मा ,नीतू, माया देवी सहित हजारों किसान मौजूद रहे।

हीटर और ब्लोअर चलाते समय भूलकर भी बंद न करें कमरा, वरना कुछ ही मिनटों में जानलेवा बन जाएगी हवा

नई दिल्ली। सर्दियों में ठंड से बचने के लिए घरों में अंगीठी, हीटर और ब्लोअर का इस्तेमाल आम है, लेकिन जरा-सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। हाल ही में राजधानी दिल्ली में एक परिवार की मौत की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया। बंद कमरे में हीटर जलाने से कमरे की ऑक्सीजन कम हो गई और कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा खतरनाक स्तर तक पहुंच गई, जिससे पूरा परिवार दम घुटने से बेहोश हो गया और उनकी जान चली गई। कैसे कम हो जाता है ऑक्सीजन लेवल? ऑयल वाले हीटर में रॉड नहीं जलती, बल्कि एलिमेंट ऑयल को गर्म करता है। इसलिए अकेले ऑयल हीटर से कमरे में ऑक्सीजन बहुत तेजी से कम नहीं होती। लेकिन ब्लोअर, गैस हीटर और अंगीठी जलने पर कमरे की ऑक्सीजन खींचते हैं और साथ ही कार्बन मोनोऑक्साइड छोड़ते हैं। जब ये उपकरण बंद कमरे में लंबे समय तक चलते हैं, तो कमरे की हवा जहरीली बन जाती है और व्यक्ति को पता भी नहीं चलता। कार्बन मोनोऑक्साइड से क्यों होती है बेहोशी और मौत? डॉक्टरों के अनुसार अंगीठी या हीटर जलने से निकलने वाली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस सांस के साथ शरीर में जाती है। यह गैस ऑक्सीजन की जगह खून में मिल जाती है और सीधे दिमाग पर असर डालती है। इसके कारण-तेज सिर दर्द उल्टी और चक्कर सांस लेने में तकलीफ अचानक बेहोशी की दिक्कत पेश आती है। यदि समय पर इलाज न मिले तो यह गैस फेफड़ों और शरीर के अन्य अंगों में पहुंचकर हीमोग्लोबिन को नुकसान पहुंचाती है, जिससे मौत तक हो सकती है। अंगीठी जलाते समय रखें ये जरूरी सावधानियां कमरे को पूरी तरह बंद न करें। खिड़की या दरवाजा थोड़ा खुला जरूर रखें। एक ही कमरे में ज्यादा लोगों के साथ अंगीठी या हीटर देर तक न जलाएं। अगर ब्लोअर या हीटर चला रहे हैं तो उसे लगातार न चलाएं, बीच-बीच में बंद करके कमरे में हवा आने दें। सबसे सुरक्षित तरीका है कि बंद कमरे में अंगीठी बिल्कुल न जलाएं। सिर दर्द, उलटी, चक्कर, घबराहट या सांस लेने में परेशानी महसूस हो तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत बाहर निकलकर ताजी हवा लें व डॉक्टर से संपर्क करें। जरा-सी जागरूकता बचा सकती है जिंदगी विशेषज्ञों का साफ कहना है कि अधिकतर हादसे जानकारी की कमी और लापरवाही के कारण होते हैं। ठंड से बचाव जरूरी है

चोरी के मोबाइल रखने के लिए किराए पर ले रखा था कमरा, गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में उगला पूरा सच

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक कुख्यात मोबाइल झपटमार को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से पुलिस ने चोरी व झपटे गए 31 स्मार्ट फोन बरामद किए हैं। चोरी व झपटे गए मोबाइल व चोरी के अन्य सामान रखने के लिए आरोपी ने स्वरूप नगर में एक कमरा किराए पर ले रखा था। डीसीपी विक्रम सिंह के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम जय भगवान उर्फ कालू है। वह भलस्वा डेरी इलाके का रहने वाला है। चोरी और छीने गए मोबाइल फोन को इकट्ठा करने व बेचने में शामिल एक अपराधी की गतिविधियों के बारे में क्राइम ब्रांच को खुफिया जानकारी मिली थी। जिसके बाद एडिशनल डीसीपी व इंस्पेक्टर सुनील कुमार कलखंडे के नेतृत्व में सब इंस्पेक्टर नवीन दहिया व बीरपाल की टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने स्वरूप नगर इलाके में लगातार निगरानी रखी। कई दिनों तक जांच पड़ताल के बाद सोमवार को जय भगवान को स्वरूप नगर, बुराड़ी रोड से गिरफ्तार कर किया गया। तलाशी में उसके पास से बड़ी संख्या में चोरी और छीने गए मोबाइल फोन बरामद हुए। वहीं, जांच में पता चला है कि वह दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से मोबाइल फोन छीनने और चोरी करने में सक्रिय रूप से शामिल था और चोरी का सामान अपने किराए के कमरे में इकट्ठा करके रखता था, फिर उसे अवैध तरीकों से बेच देता था। उसके पास से अलग-अलग ब्रांड के 31 स्मार्टफोन बरामद हुए जिनमें आई-फोन और सैमसंग गैलेक्सी भी शामिल हैं। इनमें अब तक पांच मोबाइल फोन अलग-अलग एफआइआर से जुड़े पाए गए। जय भगवान पहले जहांगीरपुरी में रहता था। पिता की मृत्यु के बाद वह आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में डकैती, चोरी और झपटमारी से संबंधित सात आपराधिक मामले दर्ज हैं।

जेएनयू में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के विरुद्ध आपत्तिजनक नारों पर विहिप ने जताई गंभीर चिंता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के विरुद्ध आपत्तिजनक नारों पर विहिप ने गंभीर चिंता जताई है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि जेएनयू की पवित्रता को देश के प्रधानमंत्री और दूसरों को निशाना बनाने वाले भद्दे नारों से फिर से नष्ट किया गया है। ज्ञात हो कि सोमवार को सुप्रीम कार्ट ने दिल्ली दंगे के आरोपी छात्र नेता शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके बाद सोमवार रात्रि जेएनयू कैंपस में जुटे वामपंथी छात्रों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान नरेंद्र मोदी और अमित शाह की कब्र खुदेगी, के आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस द्वारा की जा रही है। साथ ही जेएनयू प्रशासन द्वारा भी नारे लगाने वाले छात्रों की पहचान कर उन्हें निलंबित किया जा रहा है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने जारी बयान में कहा कि इस बार उकसावे की वजह दिल्ली दंगों के आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न मिलना बताया गया। आलोक कुमार ने कहा कि ध्यान देने वाली बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि प्रॉसिक्यूशन के पास दोनों के खिलाफ दंगों में शामिल होने से जुड़े सीधे और पुष्टि करने वाले सबूत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में वर्ष 2020 में हिंदुओं पर हुए सुनियोजित हमलों के पीछे बड़े षडयंत्र से जुड़े अपराधों में उनकी "केंद्रीय और मुख्य भूमिका" पर भी ध्यान दिया। उमर और शरजील पर भारत की एकता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ साजिश रचने का आरोप है। यह जघन्य अपराध है। यह सभी के लिए उचित होगा कि वे ट्रायल का इंतजार करें

2 महीने में पूरा करें एमसीडी पार्कों और शाही जामा मस्जिद के आसपास सर्वे, अतिक्रमण पर दिल्ली एचसी का निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) को राजधानी के पार्कों और शाही जामा मस्जिद के आसपास कथित अतिक्रमण के मामले में दो महीने के भीतर विस्तृत सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए दिया गया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एमसीडी के कई पार्कों और जामा मस्जिद के आसपास अवैध निर्माण और अतिक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि सर्वे के दौरान यदि किसी भी तरह का अवैध या अनधिकृत निर्माण पाया जाता है, तो नगर निगम कानून के तहत तत्काल और उचित कार्रवाई करे। कोर्ट ने एमसीडी को ये निर्देश दिए पार्कों की जमीन और सार्वजनिक स्थलों पर हुए सभी निमार्णों की स्थिति का फील्ड सर्वे किया जाए। जामा मस्जिद परिसर के आसपास के इलाकों को भी सर्वे के दायरे में लिया जाए। सर्वे की रिपोर्ट दो महीने के भीतर अदालत में दाखिल की जाए। अवैध निर्माण मिलने पर संबंधित नियमों और कानूनों के तहत कार्रवाई की जाए। जनहित याचिका में कहा गया था कि एमसीडी के कई पार्कों पर धीरे-धीरे कब्जा कर लिया गया है और कुछ स्थानों पर अवैध निर्माण कर लिए गए हैं।

दिल्ली में मस्जिद के पास बुलडोजर एक्शन से माहौल संवेदनशील, व्यापारी संगठनों ने जारी किया सर्कुलर

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के तुर्कमान गेट के पास मंगलवार रात को अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाए जाने के बाद हौज काजी और आसपास के बाजार क्षेत्रों में माहौल संवेदनशील बना हुआ है। दिल्ली स्टील टूल्स एंड हार्डवेयर ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बलदेव गुप्ता समेत पुरानी दिल्ली के थोक बाजारों के कई अन्य व्यापारी संगठनों ने सर्कुलर जारी कर वाहनों की आवाजाही सीमित रखने और सतर्क रहने की सलाह दी है। सर्कुलर में कहा गया है कि हौज काजी और आसपास के बाजार इलाकों में वाहनों की गतिविधि को सावधानीपूर्वक नियंत्रित रखा जाए। व्यापारियों से अपील की गई है कि सड़क पर सामान न रखें, केवल आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही करें, वाहनों को केवल चिह्नित पार्किंग में ही खड़ा करें और सड़क या फुटपाथ पर न करें। अफवाहों पर ध्यान न देकर केवल एसोसिएशन के आधिकारिक के बयानों पर भरोसा करने को कहा गया है। व्यापारी संगठनों ने चेतावनी दी कि ऐसी परिस्थितियों में कुछ असामाजिक तत्व फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं और उपद्रव फैला सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। एसोसिएशन ने व्यापारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए किसी भी अपडेट की तत्काल सूचना देने का आश्वासन दिया है। 'सतर्क रहें, सुरक्षित रहें' संदेश के साथ सर्कुलर समाप्त हुआ। हौज काजी, जीबी रोड, चावड़ी बाजार, नया बाजार संवेदनशील क्षेत्र के नजदीक के थोक बाजार हैं।

मस्जिद के नाम पर चल रहा था कमर्शियल साम्राज्य अतिक्रमण के खिलाफ कोर्ट जाने वाले प्रीत सिरोही ने क्या कहा?

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के तुर्कमान गेट के पास फैज-ए-इलाही मस्जिद से सटी सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण को लेकर मंगलवार रात एमसीडी की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान इलाके में जमकर बवाल हुआ। कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव किया, बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद हालात काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इस घटना में एसएचओ समेत 5 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है और 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस पूरी कार्रवाई के पीछे जनहित याचिका लगाने वाले प्रीत सिरोही ने खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि फैज-ए-इलाही परिसर पर लंबे समय से अवैध कब्जा किया गया था और वहां सार्वजनिक भूमि पर बारात घर, डायग्नोस्टिक सेंटर, डायलिसिस सेंटर, मेटरनिटी सेंटर, पार्किंग और अन्य कमर्शियल गतिविधियां चलाई जा रही थीं, जिनसे लोगों से पैसे भी वसूले जा रहे थे। प्रीत सिरोही के अनुसार, जब मैंने इस परिसर पर रिसर्च शुरू की

तो पता चला कि यह पूरी जमीन सरकारी है, जिसका स्वामित्व पीडब्ल्यूडी और एमसीडी के पास है। मई से अक्टूबर तक मैंने लगातार एमसीडी को पत्र लिखे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार अक्टूबर में एमसीडी ने सर्वे कराया और सर्वे रिपोर्ट में हमारे दावे सही पाए गए, फिर भी प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया। इसके बाद मजबूरी में हमें दिल्ली हाईकोर्ट जाना पड़ा। उन्होंने बताया कि कोर्ट में पेश किए गए दस्तावेज पूरी तरह सही पाए गए और चीफ जस्टिस ने तीन महीने के भीतर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। कोर्ट ने एमसीडी को मस्जिद कमेटी और वक्फ बोर्ड को सुनने का आदेश भी दिया था। इसके बाद एमसीडी अधिकारियों ने कमेटी और वक्फ बोर्ड को सुना और लिखित रिकॉर्ड हाईकोर्ट में पेश किया, लेकिन याचिकाकर्ता के मुताबिक उनके पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं था, जिससे जमीन की मिल्कियत साबित हो सके। प्रीत सिरोही ने कहा, दूसरे पक्ष ने कोर्ट में यह भ्रम फैलाने की कोशिश की कि उन्हें नहीं सुना गया, लेकिन उनके पास जमीन की ओनरशिप से जुड़ा कोई ठोस कागज नहीं था। उन्हें कोई स्टे नहीं मिला और आखिरकार फैसले के बाद एमसीडी ने अतिक्रमण पर कार्रवाई की। दिल्ली प्रशासन और एमसीडी ने सुरक्षा के लिहाज से बहुत अच्छा काम किया। समाचार एजेंसी पीटीआई के इनपुट के साथ

हरियाणा में खोले जाएंगे 59 नए फायर स्टेशन, 200 करोड़ रुपए होंगे खर्च

प्रतीकात्मक तस्वीर

चंडीगढ़ : हरियाणा में आगजनी की बढ़ती घटनाओं और हर वर्ष फसलों को होने वाले भारी नुकसान को देखते हुए राज्य सरकार ने फायर सेफ्टी व्यवस्था को सुदृढ़ करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर की गई नई मैपिंग के आधार पर प्रदेश में 59 नए फायर स्टेशन स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना पर करीब 200 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2006 में निर्धारित मानकों के अनुसार शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक 10 वर्ग किलोमीटर और ग्रामीण क्षेत्रों में हर 50 वर्ग किलोमीटर पर एक फायर स्टेशन होना अनिवार्य है। इन्हीं मानकों को ध्यान में रखते हुए फायर एंड इमरजेंसी सर्विस के महानिदेशक ने सभी उपायुक्तों और नगर निगम आयुक्तों को पत्र भेजकर नए फायर स्टेशनों के संबंध में रिपोर्ट तलब की है। सरकार का कहना है कि इस व्यवस्था से आपात स्थितियों में प्रतिक्रिया समय कम होगा और जन-धन की सुरक्षा बेहतर हो सकेगी।

हरियाणा में मात्र 109 फायर स्टेशन

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक हर साल फसल कटाई के मौसम में राज्य में दो हजार एकड़ से अधिक फसल आग की चपेट में आ जाती है, जिससे किसानों को बड़ा आर्थिक नुकसान होता है। वर्तमान में हरियाणा में कुल 109 फायर स्टेशन कार्यरत हैं, जो कई जिलों की जरूरतों के मुकाबले अपर्याप्त साबित हो रहे हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए नए स्टेशनों का नेटवर्क विकसित किया जा रहा है।

गुरुग्राम में खोले जाएंगे 10 फायर स्टेशन

जिला स्तर पर देखें तो गुरुग्राम में सर्वाधिक 10 नए फायर स्टेशन खोले जाएंगे। वहीं करनाल जिले में कोई नया फायर स्टेशन प्रस्तावित नहीं है, हालांकि वहां अत्याधुनिक उपकरण और संसाधन उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। इस असंतुलन को लेकर कुछ सवाल भी उठ रहे हैं, लेकिन सरकार का तर्क है कि वितरण जोखिम, आबादी और मौजूदा ढांचे के आधार पर किया गया है।

इन जिलों में खुलेंगे फायर स्टेशन

प्रदेश में कुल 59 फायर स्टेशन लगाए जाएंगे।

जिनमें से गुरुग्राम में 10, झज्जर में 6, पानीपत में 6, पंचकूला में 5, फरीदाबाद में 4, जींद में 3, रोहतक में 3, अंबाला में 2, हिसार में 2, भिवानी में 2, रेवाड़ी में 2, नूंह में 2, सिरसा में 2, यमुनानगर में 2, चरखी दादरी में 1, फतेहाबाद में 1, सोनीपत में 1, कुरुक्षेत्र में 1, पलवल में 1, कैथल में 1, महेंद्रगढ़ में 1 फायर स्टेशन लगाए जाएंगे।

आशिक बैठा था छाती पर और पत्नी ने दबाए था प्राइवेट पार्ट, पति को मौत के घाट उतारने वाली पत्नी गिरफ्तार

सोनीपत : सोनीपत के कामी रोड पर स्थित आशीर्वाद गार्डन में चौकीदार की हत्या के मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। वही मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है कि चौकीदार रामकिशन की हत्या उसकी पत्नी सरिता ने उसी के दोस्त सतपाल के साथ मिलकर की थी।आरोपी पत्नी ने कैमरे के सामने कबूलनामा कहा कि पति परेशान करता था और इसीलिए उतारा मौत के घाट उतरा था।वहीं सतपाल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छापेमारीजारी है।फिलहाल पुलिस आरोपी पत्नी को कोर्ट में पेश करेगी। मिली जानकारी के अनुसार सोनीपत के गांव ककाना का रहने वाला रामकिशन पिछले एक साल से कामी रोड पर स्थित आशीर्वाद गार्डन में पिछले एक साल से चौकीदारी का काम करता था और उसका पूरा परिवार उसके साथ यही रहता था, लेकिन उसकी पत्नी और उसके बीच में कहासुनी काफी लंबे समय से चली आ रही थी। और इसी कहानी के चलते हत्या की बात सामने आई थी लेकिन अब पुलिस ने रामकिशन की पत्नी सरिता को गिरफ्तार किया तो मामले में हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। खुलासा हुआ है कि सरिता ने अकेले नहीं बल्कि रामकिशन के दोस्त सतपाल के साथ मिलकर मौत के घाट उतारा था। जानकारी के अनुसार रामकिशन अपराधिक प्रवृत्ति का इंसान था और इस पर पहले भी दर्जन भर मुकदमे दर्ज थे और सतपाल के साथ इसकी दोस्ती जेल में ही हुई थी और अभी है इसी के साथ गार्डन में रहता था। पिछले 2 महीने से सरिता के साथ इसके मधुर संबंध थे और इसीलिए सरिता के साथ मिलकर इसने रामकिशन को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस के सामने सरिता ने खुलासा किया कि रामकिशन की छाती पर सतपाल बैठा था और प्राइवेट पार्ट सरिता ने दबाए थे।वहीं कैमरे के सामने सरिता ने काबुल किया है कि उसका पति उसे लगातार परेशान करता था इसीलिए उसे मौत के घाट उतारा गया है। सतपाल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। मामले में जानकारी देते हुए सिविल लाइन थाना प्रभारी उमेश कुमार ने बताया कि कल उन्हें सूचना मिली थी कि कमी रोड पर स्थित एक निजी गार्डन में चौकीदार रामकिशन की हत्या कर दी गई थी हत्या उसी की पत्नी ने की थी आरोपी महिला सरिता को गिरफ्तार कर लिया गया है वहीं प्राथमिक जांच में सामने आया है कि सतपाल नाम के एक एक शख्स साथ मिलकर हत्या की गई है। आरोपी महिला से पूछताछ जारी है और पूछताछ में सामने आया है कि उसका पति उसे परेशान करता था इसीलिए हत्या की गई है।

गोहाना में ग्रामीणों ने बिजली केबल चोरी करती पकड़ी 2 महिलाएं, डायल 112 पर कॉल कर किया पुलिस के हवाले

गोहाना : गोहाना के गांव महमूदपुर ने ग्रामीणों ने खेतों से सबमर्सिबल ट्यूबवेल से बिजली की केबल चोरी करते दो महिलाओं को रंगे हाथों पकड़ा है। ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर डायल 112 पर कॉल कर दोनों महिलाओं को पुलिस के हवाले कर दिया। दोनों पकड़ी गई महिलाएं गोहाना के आस-पास के गांव की रहने वाली है। पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर अदालत में पेश कर जेल भेजने का काम किया है। पुलिस ने मौके से महिलाओं से चोरी की गई बिजली की केबल भी बरामद की है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई दिनों से लगातार उनके खेतो से सबमर्सिबल ट्यूबवेल से बिजली की केबल व मोटर चोरी हो रही थी जिस की पुलिस में शिकायत भी की थी। ग्रामीणों ने बताया कि आज सुबह दो महिलाएं उनके खेतों में घूमती हुई दिखाई दी जिसके बाद दोनों महिलाओं को कुछ दुरी पर जाकर रोककर पूछताछ की तो उनके पास से बिजली की केबल मिली जिसके बाद उन्होंने से तुरंत मौके पर डायल 112 पर कॉल कर दोनों महिलाओं को पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों की मानें तो इन महिलाओ के साथ सड़क किनारे दो आदमी और खड़े थे,जो मोके से भागने में कामयाब हो गए। वहीं मामले की जांच कर रही गोहाना सदर थाना में एएसआई राजबाला ने बताया महमूदपुर गांव में खेतों से सबमर्सिबल ट्यूबवेल से बिजली की केबल चोरी की सूचना मिली थी जिस पर मामला दर्ज भी किया गया था। आज इस मामले में दो महिलाओं को रंगे हाथों चोरी करते पकड़ा है। इनके पास से चोरी की गई बिजली की केबल भी बरामद की गई है। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर दोनों महिलाओं को अदलात में पेश कर जेल भेज दिया गया।

सिरसा में प्रेम कहानी का दर्दनाक अंत, शादीशुदा प्रेमी-प्रेमिका ने दी जान

सिरसा : सिरसा जिले में शादीशुदा प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है। यह दोनों पिछले कुछ दिनों से एक साथ रह रहे थे। युवती 2 बच्चों और युवक 3 बच्चों का पिता था। आत्महत्या की सूचना मिलते ही ऋष्ध मौके पर पहुंची और शवों को वहां से सिविल अस्पताल भिजवाया। जहां उनका पंचनामा भरवा कर शवगृह में शव रखवा दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतक युवक की पहचान गांव खतरावा निवासी मनप्रीत सिंह (25) के रूप में हुई है, जबकि युवती सुखप्रीत कौर(23) जिले के केवल गांव की निवासी थी। वह पक्का शहीदां गांव में शादी-शुदा थी। पिछले काफी समय से दोनों आपस में संपर्क में थे और प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों सिरसा-बठिंडा रेलवे मार्ग पर कालांवाली पुल के पास रात करीब 2 बजे बठिंडा से सिरसा आ रही जम्मू कटरा ट्रेन के नीचे आए थे। हादसे के बाद घायल युवती को सहारा क्लब के सदस्यों ने एम्बुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल पहुंचाया। यहां उसकी भी मौत हो गई। सुखप्रीत की लगभग 5 साल पहले पक्का शहीदां गांव में एक युवक से शादी हुई थी। मगर उसका पति नशे का आदी था, इसलिए वह उसके साथ नहीं रहना चाहती थी।

हरियाणा में नहीं आएगा गंदा पानी, राजस्थान के साथ बनी सहमति, 450 करोड़ रुपए खर्च होंगे

चंडीगढ़ : हरियाणा और राजस्थान के बीच वर्षों से चले आ रहे गंदे पानी के विवाद के समाधान की दिशा में बड़ी पहल हुई है। रेवाड़ी जिले के धारूहेड़ा में भिवाड़ी से आने वाले औद्योगिक अपशिष्ट और दूषित जल की समस्या को लेकर दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें करीब 450 करोड़ रुपये की संयुक्त परियोजना को मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने की। बैठक में दोनों राज्यों के बीच जलभराव और प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान निकालने पर सहमति बनी। जिसमें मसानी बैराज में छोड़े जा रहे प्रदूषित पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्था विकसित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और भूपेंद्र यादव भी मौजूद रहे। निर्णय के अनुसार मानसून के दौरान भिवाड़ी क्षेत्र से बारिश के पानी की निकासी के लिए दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-48) के किनारे करीब 6 किलोमीटर लंबी नाली का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की लागत हरियाणा और राजस्थान बराबर-बराबर वहन करेंगे, जबकि बाकि राशि सड़क परिवहन मंत्रालय देगा। कुल मिलाकर दोनों योजनाओं पर लगभग 450 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।केंद्रीय पर्यावरण मंत्री का आश्वासन केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने आश्वासन दिया कि भिवाड़ी में 40 एमएलडी क्षमता वाला ह्यकंबाइंड एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट मार्च तक चालू कर दिया जाएगा, जिससे औद्योगिक अपशिष्ट जल का उपचार संभव होगा। इससे दूषित पानी को शोधित कर दोबारा उद्योग और कृषि कार्यों में उपयोग किया जा सकेगा। बैठक में नितिन गडकरी ने स्पष्ट किया कि भविष्य में समस्या और गंभीर हो सकती है, इसलिए केवल वर्षा जल की निकासी ही नहीं, बल्कि केमिकल युक्त पानी के प्रबंधन पर भी सख्ती जरूरी है। वहीं राव इंद्रजीत सिंह ने धारूहेड़ा में लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए कहा कि अब राजस्थान से आने वाला प्रदूषित पानी हरियाणा के लिए स्वीकार्य नहीं होगा। राजस्थान के सीएम ने मार्च तक ट्रीटमेंट प्लांट पूरा करने का भरोसा दिया, जबकि हरियाणा सरकार मसानी बैराज पर विशेष प्रणाली विकसित करेगी।

इस बार विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के संकल्प पर केंद्रित होगा सुरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला

चंडीगढ़ : अरावली की तलहटी में देश-दुनिय में प्रख्यात सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला इस बार विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के संकल्प पन केंद्रित होगा। शिल्प महाकुंभ के तौन पर दुनिया भर में अपनी पहचान बन चुके इस मेले में देश के अनूठे औ-सर्वश्रेष्ठ कलाकार, कलाकृतियां एक प्रस्तुतियों के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और स्वदेशी को प्रोत्साहन देने वाला वातावरण पर्यटकों के आकर्षित करेगा। अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले के 39 संस्करण में प्रादेशिक संस्कृति एव कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कल्चरल नाइट में विशेष रूप से हरियाणवी कलाकारों की प्रस्तुतिय का आयोजन होगा। विरासत एक पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा पर्यटन विभाग के निदेशक पाथ गुप्ता, महाप्रबंधक ममता शर्मा एक वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हरियाण सिविल सचिवालय के 5वें तल स्थित समिति कक्ष में समीक्षा बैठक की। बैठक में 31 जनवरी से 15 फरवरी तक आयोजित होने वाले 39 वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले की तैयारियों और प्रदेश भर में चल रही पर्यटन विकास परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। विरासत एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने विभाग में मुख्यमंत्री घोषणाओं और बजट घोषणाओं पर भी फीडबैक लिया। पर्यटन विभाग के निदेशक पार्थ गुप्ता ने बताया कि मेले में विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर सभी तैयारियों पर तेजी से काम किया जा रहा है। मेला परिसर में पर्यटकों की निरंतर बढती संख्या को ध्यान में रखते हुए करवाए जा रहे सिविल वर्क का 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जिसे 20 जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, जन-सुविधाएं और इंटरनैट व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। पर्यटन मंत्री ने कहा कि मेला परिसर तक पर्यटकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए परिवहन विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अंतर्राज्यीय बस अड्डा कश्मीरी गेट, गुरुग्राम, पलवल, फरीदाबाद, सोनीपत, पानीपत आदि जिलों से बसों के रूट निर्धारित करवाए जाएं।

उन्होंने मीडिया, सोशल मीडिया और इन्फ्लुएंसर के सहयोग से मेले से संबंधित गतिविधियों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया। पर्यटन मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं पर भी चर्चा की। निदेशक पार्थ गुप्ता ने बताया कि स्वदेश दर्शन योजना के तहत टिक्कर ताल, मोरनी तथा यादवेंद्र गार्डन, पिंजौर को विकसित करने के लिए 92 करोड़ रुपए के टैंडर लगाए जा चुके हैं। इसी प्रकार 5 टूरिस्ट कॉम्पलैक्स को पी.पी.पी. मोड पर विकसित करने तथा ढोसी की पहाड़ी पर रोपवे परियोजना को लेकर भी मंथन किया गया।

बजट में आमजन की राय जानने के लिए सीएम सैनी ने लांच किया ये पोर्टल

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश के बजट को लेकर अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस कड़ी में उन्होंने मंगलवार को 2026-27 के बजट को लेकर गुरुग्राम में प्री-बजट मंथन में हिस्सा लिया। इस आशय के बारे में सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री ने लिखा कि 'हरियाणा का बजटः आपकी राय, हमारा संकल्प। हरियाणा के विजन 2047 को साकार करने की दिशा में आज गुरुग्राम में आयोजित 'प्री-बजट मंथन' में सहभागिता करते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए गए। हरियाणा का आगामी बजट प्रदेश के हर नागरिक की खुशहाली और हर वर्ग के कल्याण को समर्पित होगा। इसी क्रम में इस वर्ष भी लगातार सैटरवार बैठकें आयोजित कर सभी हितधारकों से बजट संबंधी सुझाव लिए जाएंगे। हम प्रदेश के प्रत्येक परिवारजन से आह्वान करते हैं कि वे वित्त वर्ष 2026-27 के बजट निर्माण में सक्रिय सहभागिता कर सशक्त और समृद्ध हरियाणा के निर्माण में अपना योगदान दें। इसके साथ ही मुख्यमंत्री सैनी ने मंगलवार को गुरुग्राम में ए.आई. आधारित हरियाणा बजट जनभागीदारी पोर्टल का शुभारंभ किया जिस पर प्रदेशवासी हरियाणवी, हिंदी तथा अंग्रेजी तीनों भाषाओं में अपने सुझाव दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म हमारी पारदर्शिता, नागरिक सहभागिता तथा सहभागी गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नायब सैनी इस साल फरवरी माह में बतौर वित्त मंत्री अपना दूसरा बजट प्रस्तुत करेंगे। पिछली बार प्रदेश का बजट 2 लाख 5 हजार करोड़ रुपए था। इसमें 20 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और 2026-27 का बजट 2 लाख 25 हजार करोड़ रुपए रहने की उम्मीद है। पिछली बार की तरह से इस बार भी बजट में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, ग्रामीण व शहरी विकास पर फोकस किया जा सकता है। पिछले वित्त वर्ष में कृषि का बजट 7600 करोड़ रुपए था। शिक्षा व खेल का बजट 22 हजार 312 करोड़ रुपए, स्वस्थ्य का बजट 10 हजार 539 करोड़ रुपए था। ऐसे ही ग्रामीण विकास का बजट 7313 करोड़ रुपए, सिंचाई का बजट 6 हजार करोड़ रुपए, स्थानीय निकाय का बजट 5911 करोड़ रुपए था। अब अगले वित्तीय वर्ष के बजट को लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पूरी तैयारी कर ली है। अब वह विभिन्न वर्ग के लोगों से बजट को लेकर मंथन करेंगे और उनके सुझाव भी लिए जाएंगे। बजट सत्र के आयोजन से पहले विधानसभा में प्री-बजट डिस्कशन के लिए एक विशेष सत्र बुलाया जाएगा जिसमें सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष के विधायकों से भी सुझाव लिए जाएंगे। साल-दर-साल ऐसे बढ़ता गया बजटः गौरतलब है कि 26 अक्तूबर, 2014 को मनोहर लाल खट्टर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे और बतौर वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने फरवरी 2015 में 2015-16 का बजट पेश किया था जो 86 हजार करोड़ रुपए था और पिछले साल बतौर वित्त मंत्री नायब सैनी ने 2 लाख 5 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। ऐसे में 2015-16 से 2025-26 तक बजट में 1 लाख 19 हजार करोड़ रुपए की ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। 2023-24 में बतौर वित्त मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 1 लाख 66 हजार करोड़ रुपए का जबकि 2024-25 में 1 लाख 80 हजार करोड़ रुपए बजट पेश किया था। इससे पहले 2021-22 में 1 लाख 35 हजार करोड़ रुपए, 2022-23 में 1 लाख 64 हजार का बजट पेश किया गया था। 2019-20 में 1 लाख 19 हजार करोड़ रुपए, 2020-21 में 1 लाख 16 हजार करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया। मनोहर लाल खट्टर 27 अक्तूबर 2019 को दूसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री बनें और उन्होंने वित्त मंत्रालय अपने पास रखा। नए-नए प्रयोगों के लिए पहचान रखने वाले मनोहर लाल खट्टर ने प्रदेश के बजट को आर्थिक विकास का आईना माना और इसके लिए जनसहभागिता को सुनिश्चित किया। उन्होंने जनता के अलग-अलग वर्गों से बजट को लेकर सुझाव मांगे। इस कड़ी में किसानों, उद्योगपतियों, व्यापारियों, दुकानदारों, जनप्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए गए।

विशेष बात यह है कि इसको लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की ओर से प्री-बजट डिस्कशन बैठकों का सिलसिला शुरू किया गया। यही नहीं, बजट पर डिस्कशन को लेकर प्री-बजट सत्र भी बुलाने की पहल भी की गई। बतौर वित्त मंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के हित में आए सुझावों को बजट में शामिल किया। उन्होंने विपक्ष के विधायकों के सुझाव भी बजट में शामिल किए। ऐसा माना जा रहा है कि इस बार भी मुख्यमंत्री नायब सैनी फरवरी माह में अपना बजट प्रस्तुत करेंगे।

इससे पहले 2016-17 में 90 हजार करोड़ रुपए एवं 2017-18 में 1 लाख 2 हजार करोड़ रुपए एवं 2018-19 में 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया था।

खबर एक्सप्रेस

कैथल के जखोली अड्डा स्लम बस्ती बनी लोगों के लिए सिरदर्द

कैथल : कैथल के जखोली अड्डे की स्लम बस्ती स्थानीय निवासियों के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है। बीती रात बस्ती के पास खड़ी लगभग आठ गाड़ियों के ड्राइवर साइड के शीशे तोड़कर चोरों ने उनमें चोरी की वारदात को अंजाम दिया। कुछ वाहनों से बैटरियां भी चोरी हुईं।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक आरोपी की पहचान बस्ती के ही निवासी के रूप में हुई। स्थानीय लोग जब आरोपी की तलाश में बस्ती में पहुंचे, तो वहां के लोगों ने उन पर हमला कर दिया और मारपीट की। इससे गुस्साए लोग सड़क पर जाम लगाने के लिए एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश जारी है। मौके पर फॉरेंसिक टीम और सीआईए स्टाफ भी पहुंचा हुआ है, जो घटनास्थल से सबूत इकट्ठा कर रहे हैं। वहीं स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह स्लम बस्ती लगातार आपराधिक गतिविधियों का केंद्र बनी हुई है। लोगों के अनुसार, यहां के युवक रात को चोरी और लूट की घटनाओं को अंजाम देते हैं। धान और गेहूं के सीजन में यह लोग ट्रकों से अनाज की बोरियां तक चोरी कर लेते हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस अवैध स्लम बस्ती को यहां से हटाया जाए ताकि क्षेत्र में शांति व सुरक्षा बनी रहे।

सीएसवो विंग के जांबाज रक्विक्रम की दिल का दौरा पड़ने से मौत, बास्केटबॉल के थे बेहतरीन खिलाड़ी

करनालः हरियाणा पुलिस अकादमी (एचपीए), मधुबन से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। अकादमी के सीएसओ (सीएसवो) विंग में तैनात और बास्केटबॉल के बेहतरीन खिलाड़ी, सब-इंस्पेक्टर विक्रम की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। 47 वर्षीय विक्रम अकादमी परिसर स्थित सरकारी क्वार्टर में रह रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह सब-इंस्पेक्टर विक्रम अपने सरकारी आवास में अचेत अवस्था में पाए गए। उन्हें इस स्थिति में देख परिजन तुरंत घबरा गए और उन्हें इलाज के लिए पास के एक निजी अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, प्राथमिक तौर पर मृत्यु का कारण 'हार्ट अटैक' बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और अकादमी के अधिकारी मौके पर पहुँचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए करनाल के मोच्युर्री हाउस भिजवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पार्थिव शरीर परिजनों को सौंप दिया गया है। सब-इंस्पेक्टर विक्रम न केवल एक अनुशासित पुलिस अधिकारी थे, बल्कि बास्केटबॉल खेल में भी उनका बड़ा नाम था। उनकी अचानक मृत्यु से हरियाणा पुलिस और खेल जगत के उनके साथियों में शोक की लहर है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे एक मिलनसार और ऊजार्वान व्यक्तित्व के धनी थे। फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि अन्य पहलुओं को स्पष्ट किया जा सके।

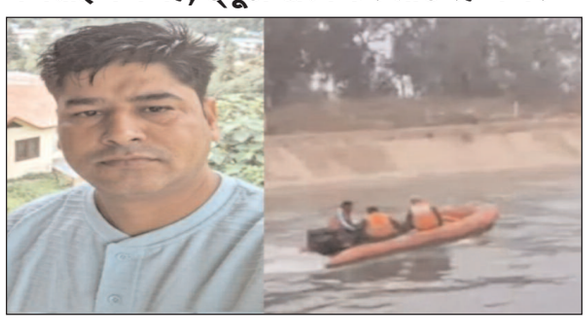

बिजली कर्मचारी का शव भाखड़ा नहर से बरामद, जेई ने बताई ये वजह, ड्यूटी खत्म कर लौट रहे थे घर

टोहाना : टोहाना में बिजली निगम के असिस्टेंट फोरमैन विकास कुमार (37) का शव लापता होने के 6 दिन बाद बुधवार को भाखड़ा नहर से बरामद किया गया है। पुलिस ने साधनवास इलाके में SDRF की मदद से शव को नहर से निकाला। मृतक विकास कुमार 2 जनवरी से लापता था। जानकारी के अनुसार, चरखी दादरी जिले के तिवाला निवासी विकास कुमार टोहाना की नहर कॉलोनी में रहते थे। वे 2 जनवरी को शाम 5 बजे अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद अपने घर की ओर गए थे, लेकिन उसके बाद उनका कोई सुराग नहीं मिला। उनका मोबाइल नंबर भी बंद आ रहा था, जिसकी आखिरी लोकेशन नहर के पास पाई गई थी।जेई सुशील कुमार ने बताया कि विकास कुमार 2 जनवरी से लापता थे। परिजनों के बयान पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया था। विकास की तलाश में भाखड़ा नहर में भी सर्च अभियान चलाया जा रहा था, क्योंकि उनके मोबाइल की लोकेशन भी नहर के पास मिली थी। उन्होनें अंदेशा जताया है कि रोड की हालत खराब होने की वजह से वह नहर में गिरे होंगे। पुलिस मामले की जांच कर रही है : थान प्रभारीथाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने पुष्टि करते हुए बताया कि विकास कुमार का शव नहर से बरामद कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। जाखल इलाके से शव मिलने के कारण जाखल और शहर पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने आगामी कार्यवाही शुरू कर दी है।

हरियाणा में जनवरी में होंगे प्री-बोर्ड एग्जाम, शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश

हरियाणा : शिक्षा विभाग ने जनवरी में होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की प्री-बोर्ड परीक्षाओं को लेकर सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश में बताया गया है कि प्रदेश के सभी जिलों में जनवरी में 10वीं और 12वीं की प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। इन परीक्षाओं में प्रयोग होने वाली प्रश्नझ्रउत्तर पुस्तिकाओं के पन्नों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। जबकि वास्तविक बोर्ड परीक्षाओं में बोर्ड द्वारा प्रश्न पत्र और अलग उत्तर पुस्तिका उपलब्ध कराई जाती है।शिक्षा विभाग ने निर्देश दिए हैं कि प्री-बोर्ड परीक्षाओं में भी बोर्ड परीक्षा के पैटर्न के अनुसार अलग से उत्तर पुस्तिका उपलब्ध कराई जाए। इससे विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा जैसी परिस्थितियों का अभ्यास मिलेगा और वे परीक्षा के दौरान उत्तर लिखने की बेहतर तैयारी कर सकेंगे। आदेश में यह भी लिखा गया है कि सभी जिला शिक्षा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उनके अधीन आने वाले विद्यालयों में प्री-बोर्ड परीक्षा के लिए अलग उत्तर पुस्तिकाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं। शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को इन निदेर्शों का कड़ाई से पालन कराने के आदेश दिए हैं।

बांग्लादेश को भारत में ही खेलने होंगे वर्ल्ड कप मुकाबले

आईसीसी ने वेन्यू बदलने की मांग खारिज की, नहीं खेले तो पॉइंट्स कटेंगे

भोपाल (एजेंसी)। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने बांग्लादेश की उस रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है जिसमें उसने ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने मैच भारत से बाहर शिफ्ट करने की मांग की थी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने रविवार (4 जनवरी) को एक रिलीज़ जारी की, जिसमें बोर्ड ने कहा कि उसने ICC से औपचारिक रूप से रिक्वेस्ट की है कि भारत में होने वाले इस शॉर्टेस्ट-फॉर्मेट मेगा-इवेंट के ग्रुप C के मैच कहीं और शिफ्ट कर दिए जाएं। लेकिन मंगलवार रात (6 जनवरी) को ESPNCricinfo की एक रिपोर्ट के अनुसार, ICC ने BCB की रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है।

यह फैसला दोनों बॉडीज़ के बीच एक वर्चुअल मीटिंग में बताया गया, जिसमें ICC ने साफ कर दिया कि बांग्लादेश को टूर्नामेंट के लिए भारत आना होगा, नहीं तो पॉइंट्स गंवाने का खतरा रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, ICC ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बताया कि उठाई गई चिंताओं के बावजूद टूर्नामेंट का शेड्यूल और वेन्यू अपरिवर्तित रहेंगे। समझा जाता है कि ग्लोबल बॉडी ने BCB से कहा कि भारत में मैच खेलने से मना करने पर खेल से जुड़े नतीजे होंगे, जिसमें पॉइंट्स गंवाने की संभावना भी शामिल है। हालांकि, BCB सूत्रों ने कहा है कि उन्हें अभी तक रिजेक्शन की पुष्टि करने वाला कोई ऑफिशियल कम्युनिकेशन नहीं मिला है।

यह टकराव भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और BCB के बीच तनाव में तेज़ी से बढ़ोतरी के बाद हुआ है, जब बांग्लादेश के तेज़ गेंदबाज़ मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से रिलीज़ कर दिया गया था। BCCI ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने के लिए कहा था, जिसका कारण 'चारों ओर के घटनाक्रम' बताया गया था। यह कदम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरों के बाद भारत में राजनीतिक विरोध के बीच उठाया गया था।

मुस्तफिजुर की रिहाई के बाद, BCB ने स्थिति का जायज़ा लेने के लिए एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई और बाद में ICC को लिखकर टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत आने पर अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा और संरक्षा पर चिंता जताई। बांग्लादेश ने पहले के उदाहरणों का भी हवाला दिया, जिसमें BCB के डायरेक्टर फारूक अहमद ने अपनी रिक्वेस्ट के समर्थन में हाइब्रिड मॉडल के तहत ICC इवेंट्स में पाकिस्तान की भागीदारी का ज़िक्र किया।

जैसे-जैसे स्थिति गंभीर होती गई, बांग्लादेश ने देश में आने वाले IPL सीज़न के प्रसारण पर बैन लगाकर और कदम उठाए। इंडिया टुडे से पहले बात करते हुए, फारूक अहमद ने कहा था कि दोनों क्रिकेट बोर्ड के बीच संबंधों को खराब करने में राजनीति ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस बात पर ज़ोर देते हुए कि क्रिकेट से जुड़े मामले बड़े मुद्दों में उलझ गए हैं।

इस बीच, मुस्तफिजुर तेज़ी से आगे बढ़ गए हैं, IPL से बाहर होने के तुरंत बाद पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल हो गए हैं। हालांकि ICC का रुख वर्ल्ड कप शेड्यूल में आखिरी समय में बदलाव करने की कम इच्छा दिखाता है, लेकिन औपचारिक कम्युनिकेशन की कमी ने लगातार अनिश्चितता के लिए जगह छोड़ दी है, और BCB ने अभी तक सार्वजनिक रूप से अपने अगले कदम की पुष्टि नहीं की है।

5 मार्च को सानिया चंडोक के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे अर्जुन तेंदुलकर

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी तय हो गयी है। अर्जुन अपनी मंगेतर सानिया चंडोक के साथ शादी करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार शादी समारोह मार्च 2026 में होगा। रिपोर्ट के अनुसर अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च 2026 को होगी, जबकि शादी से जुड़े कार्यक्रम 3 मार्च से शुरू हो जाएंगे। हालांकि, यह भव्य आयोजन होने के बावजूद पूरी तरह निजी रखा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, शादी मुंबई में होगी और इसमें केवल परिवार के सदस्य, करीबी दोस्त और क्रिकेट जगत के कुछ लोग ही शामिल रहेंगे। अर्जुन और सानिया की सगाई अगस्त 2025 में हुई थी। इस खास अवसर पर केवल दोनों परिवारों के बेहद करीबी लोग ही मौजूद थे। अर्जुन की सगाई की पुष्टि खुद सचिन तेंदुलकर ने एक कार्यक्रम में की थी।

अर्जुन की होने वाली दुल्हन सानिया एक सफल उद्यमी हैं और एक प्रतिष्ठित कारोबारी परिवार से संबंध रखती हैं। वह मुंबई के बिजनेसमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन ने घरेलू क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुंबई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद वह गोवा की ओर से एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खेलते हैं। अर्जुन, को हाल ही में आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीद लिया है।

स्टोक्स ने बनाया रिकार्ड, विलिस की बराबरी पर आये

सिडनी (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन दो विकेट लेने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इसी के साथ ही स्टोक्स सबसे अधिक विकेट लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे सफल कप्तान बन गये हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान बॉब विलिस ने ये उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर उनके 77 विकेट हो गये हैं। वहीं विलिस ने भी कप्तान रहते इतने ही विकेट लिए थे।

ऐसे में इंग्लैंड के लिए कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में स्टोक्स और विलिस संयुक्त रूप से पहले और दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं, जबकि तीसरे स्थान पर रे इलिंगवर्थ हैं, जिन्होंने कप्तान के तौर पर 51 विकेट लिए थे। वहीं चौथे खिलाड़ी गबी एलेन का है, जिन्होंने 42 विकेट अपने नाम किए थे। पांचवें नंबर पर जॉनी डगलस ने 37 विकेट जबकि इयान बॉथम ने कप्तान रहते 35 विकेट लिए थे। इस मैच में स्टोक्स 27.4 ओवर फेंकने के बाद पवेलियन लौट गए। यही कारण है कि वे समय पर बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे।

सिडनी टेस्ट में बेथेल की शतकीय पारी के बाद भी इंग्लैंड पर हार का खतरा बरकरार

सिडनी (एजेंसी)। एशेज के पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शिकंजा कस दिया है। ऐसे में अंतिम दिन इंग्लैंड की हार तय नजर आती है। इंग्लैंड टीम दूसरी पारी में भी मेजबान कंगारु गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 302 रनों पर ही उसने अपने 8 विकेट खो दिये हैं। केवल जैकेब बेथेल ने ही शानदार शतक लगाकर अपनी टीम की हार टाली। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय बेथेल 142 रनों पर खेल रहे थे जबकि मैथ्यू पॉट्स अपना खाता नहीं खोल पाये थे।

इंग्लैंड की अब तक इस मैच में बढ़त केवल 119 रनों की है। इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में 567 रनों पर आउट हुई। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 167 रन की बढ़त मिली। वहीं इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। अब देखना होगा कि अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज कितने रन बना पाते हैं।

चौथे दिन का आकर्षण बेथेल की बल्लेबाजी रही। अब देखना होगा कि वह अंतिम दिन कितने रन बनाते हैं। बल्लेबाजी के अनुकूल मानी जा रही सिडनी की पिच पर दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। केवल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे बेथेल ही मैदान पर टिक पाये। इस बल्लेबाज ने 232 गेंद पर 15

चौकों की मदद से नाबाद 142 रन बनाए हैं। उनकी बेन डकेट 42 के साथ दूसरे विकेट के लिए 81, हैरी ब्रूक 46 के साथ 102, और जेमी स्मिथ 26 के साथ छठे विकेट के लिए उन्होंने 45 रन की साझेदारी की। वहीं अन्य बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते गये।

बेथेल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एशेज में 2001 के बाद शतक लगाने वाले इंग्लैंड के दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले ये उपलब्धि जोनाथन ट्रॉट के अलावा माइकल वॉन और मार्क बुचर के नाम है।

सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर रन बनाने पर ध्यान दें : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने अगले माह शुरु होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को जरुरी सलाह दी है। पोंटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर अपना स्वाभाविक खेल खेलें। सूर्या पिछले काफी समय से खराब फार्म से परेशान रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम जीतती रही है पर वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं जिससे वह दबाव में हैं। इसी को देखते हुए पोंटिंग ने कहा कि वह विकेट का डर छोड़कर खेलें। रन अपने आप आयेंगे। सूर्यकुमार दो साल पहले तक टी20 में नंबर एक स्थान पर थे पर पिछले कुछ समय में उनकी रैंकिंग भी नीचे आयी है। पिछले साल वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये हैं। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। जिसको देखते हुए फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप से पहले टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। पोंटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार का पिछले कुछ समय से लय में नहीं होना परेशान करने वाली बात है। वह लंबे समय से भारतीय टीम के टी20 में महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। पोंटिंग ने कहा, 'सूर्यकुमार छह, आठ या दस गेंद खेलने के बाद ही अपना सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करते हैं। वह अपने पर भरोसा रखते हैं और अपने शॉट्स खेलने पर ध्यान देते हैं।'

अंडर-19 एकदिवसीय : वैभव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 10 छक्के लगाकर रिकार्ड बनाया

बेनोनी । भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 क्रिकेट टीम साथ जारी तीसरे एकदिवसीय मैच में 10 छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। वैभव ने अपनी पारी में चौके से ज्यादा छक्के लगाए। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वैभन ने आरोन जॉर्ज के साथ पारी शुरु की। आरोन जहां आराम से खेल रहे थे, वहीं वैभव ने आक्रामक अंदाज दिखाते हुए तेजी से शतक लगाया। वैभव ने 74 गेंद पर 10 छक्के और 9 चौकों लगाकर 127 रन बना दिये। इस बल्लेबाज ने 63 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। वहीं जॉर्ज ने भी शतकीय पारी खेली। वैभव ने पिछले मैच में भी मात्र 24 गेंद पर 10 छक्के और एक चौका लगाते हुए 68 रन बनाये थे। गौरतलब है कि साल 2025 में आईपीएल में डेब्यू के बाद से वैभव अपने आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जा रहे हैं। वैभव ने हर प्रारुप में तेज पारियां खेली हैं। आईपीएल में उनके नाम केवल सिर्फ 35 गेंद पर शतक का रिकार्ड है। वैभव ने भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से भी शतक लगाए हैं।

मलेशिया ओपन: पीवी सिंधू की जुझारू जीत, प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कुआलालंपुर (एजेंसी)। लंबे समय तक चोट के कारण कोर्ट से दूर रहने के बाद वापसी कर रहीं भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने बुधवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू ने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 51 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 22-20 से शिकस्त दी।

चोट के बाद दमदार वापसी

सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी BWF वर्ल्ड टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थीं। इस मुकाबले में उन्होंने वापसी पर आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया और कोर्ट पर अपनी लय को बखूबी संभाला।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड मजबूत

विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधू ने सुंग को करियर में दूसरी बार हराया

और उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। सिंधू की आक्रामकता और अनुभव निर्णायक साबित हुए।

दूसरे गेम में दिखा असली संघर्ष

पहले गेम में सिंधू ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। उन्होंने 6-2 की बढ़त हासिल की और आसानी से पहला गेम अपने नाम कर लिया। हालांकि दूसरे गेम में कहानी बदली। सिंधू एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। इसके बाद 28 वर्षीय सुंग ने 17-14 की बढ़त बनाई, मगर सिंधू ने हार नहीं मानी।

भारतीय खिलाड़ी ने फिर से वापसी करते हुए स्कोर 17-17 कर दिया और 20-20 के बाद लगातार दो अंक लेकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अगली चुनौती: टोमोका मियाजाकी

अब सिंधू का सामना प्री-क्वार्टरफाइनल में विश्व की नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी को अगले दौर में जगह तब मिली, जब वह मुकाबले में 21-19, 2-1 से आगे चल रही थीं और उनकी दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी सिम यू जिन चोट के कारण मैच से हट गईं।

मिश्रित युगल में भारतीय जोड़ी बाहर

इस बीच, विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में वे अमेरिका की प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

भारतीय टीम को भविष्य में हराना काफी कठिन रहेगा : गार्डनर

मुंबई। 9 जनवरी से शुरु हो रही महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट के लिए भारत आयी ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एशले गार्डनर के अनुसार जिस प्रकार से हाल में भारतीय टीम ने खेला है उससे वह पहले से काफी बेहतर हो गयी है। एकदिवसीय विश्वकप में टीम की जीत से भी ये साबित हुआ है। ऐसे में आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट में उसे हराना काफी कठिन रहेगा। गार्डनर ने कहा कि भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन भी लगाकर अच्छा होता जा रहा है। गार्डनर प्रीमियर लीग के लिए गुजरात टाइटंस टीम में शामिल हैं। इस खिलाड़ी के अनुसार भारतीय टीम अगले पांच से दस साल में उन टीमों में से एक होगी जिसे हराना बेहद कठिन होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर होने के कारण में इससे दबाव में हूं पर जिस प्रकार से यहां महिला लीग शुरु होने के बाद खेल का तेजी से विकास हुआ है वह सुखद है। गार्डनर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया टीम अभी भी महिला क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है पर ये स्थान वह अधिक समय तक बरकरार नहीं रख पायेगी। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व कप के बाद से मीडिया से कह रही हूं कि हमारी टीम अभी भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। विश्व कप भारी दबाव वाले पलों में आपकी जीत को तय करते हैं। अगर हम किसी भी टीम से लगातार दस मैच खेलें तो हम आठ या नौ जीत जाएंगे। भारत से सेमीफाइनल में मिली हार कठिन थी लेकिन हमें पता है कि भारतीय टीम कितनी काफी अच्छी है। महिला प्रीमियर लीग में गुजरात टीम में गार्डनर के अलावा बेथ मूनी, डैनी वियाट हॉज और सोफी डेवाइन जैसे अन्य विदेशी खिलाड़ी खेल रही हैं। गार्डनर ने कहा कि इसमें भाग ले रही विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक दबाव रहना स्वाभाविक है।

टीम20 विश्वकप में भारतीय हालातों के अनुभवों का लाभ मिलेगा : डीकॉक

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डीकॉक की नजरें अब अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट पर लगी हैं। डीकॉक ने कहा है कि उन्हें भारतीय हालातों में खेलने का लंबा अनुभव है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। उन्होंने कहा मैंने कई बार भारत का दौरा किया है, ऐसे में अगर मुझे सफलता नहीं मिली तो इसमें कोई गलती होगी। संन्यास से वापसी करने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि वह बिना किसी मानसिक दबाव के उतरते हैं जिसका लाभ उन्हें मिलता रहा है। डीकॉक ने टेस्ट और एकदिवसीय से संन्यास लेने के बाद अक्टूबर 2025 में नामीबिया के खिलाफ टी20 मैच से वापसी की थी। वह 2024 में टी20 विश्व कप के फाइनल के बाद से इस प्रारूप से बाहर रहे हैं जिससे उनके करियर पर सवाल उठते रहे हैं। डीकॉक ने यहां एसए20 मैच के बाद कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी भी किसी तरह के दबाव के साथ क्रिकेट खेली है। मेरी मानसिकता हमेशा जीतने की रही है। अगर मैं मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार होकर मैदान में उतरता हूं, तो मैं संतुष्ट रहता हूं, फिर चाहे मुझे सफलता मिले या नहीं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन की इनामी राशि बढ़ी

मेलबर्न । 18 जनवरी से शुरु होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले आयोजकों ने इसकी इनामी राशि बढ़ा दी है। इसकी पुरस्कार राशि 16 फीसदी बढ़ाई गई है। ऐसे में अब कुल इनामी राशि बढ़कर 111.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (तकरीबन 75 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पहुंच गई है। यह अब तक की इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है। अब पुरुष और महिला एकल वर्ग में जीतने वालों को 41.5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 2.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पुरस्कार राशि दी जाएगी। ये पिछले साल 2025 की तुलना में 19 फीसदी ज्यादा है। वहीं क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी 16 फीसदी अधिक राशि मिलेगी। आयोजकों के अनुसार मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले सभी एकल और युगल खिलाड़ियों को कम से कम 10 फीसदी अधिक राशि मिलेगी। इस कदम से सभी प्रतियोगियों को लाभ मिलने के साथ ही टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए आयोजकों ने सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी जरुरी इंतजाम किये हैं। आयोजकों का माना है कि पुरस्कार राशि बढ़ने से इस टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ेगा।

डब्ल्यूपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर का हुंकार, 'फिर से ट्रॉफी जीतना चाहते हैं'

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पिछले सीज़न में खिताब जीतने के बाद, मुंबई इंडियंस (एमआई) - इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम - नए सीज़न में पूरी तरह से तैयार है और 9 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ पहले मैच में उतरेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप में जीत दिलाने वाली एमआई की कप्तान हरमनप्रीत कौर उसी प्रेरणा को बरकरार रखते हुए लीग खिताब को बरकरार रखना चाहती हैं।

हरमनप्रीत ने बुधवार को मुंबई में मुंबई इंडियंस की प्री-सीज़न प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि जब भी मैं मैदान पर जाती हूं, मैं अपनी टीम से कहती हूं कि मैं ट्रॉफी जीतना चाहती हूं। यह नया साल डब्ल्यूपीएल से शुरू हो रहा है, और टूर्नामेंट में उतरने को लेकर मुझमें वही ऊर्जा और उत्साह है। हमारी सोच एक जैसी है। हमने पिछले तीन सीज़न में दो ट्रॉफियां जीती हैं। और हम इस सीज़न में अच्छा प्रदर्शन करके फिर से ट्रॉफी जीतना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मुंबई में यह मेरी पहली नौकरी है, और मुझे लगता है कि यह शहर मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि जब भी मुझे यहां खेलने का मौका मिलता है, मुझे हमेशा सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि यह सीजन भी बहुत खास होने वाला है। मुझे बहुत खुशी है कि पिछला सीजन और पिछला साल महिला क्रिकेट के लिए कुल मिलाकर बहुत अच्छा रहा। मुझे उम्मीद है कि इस साल की शुरुआत भी इसी तरह होगी।

इस बार, टीम दो बार की विश्व कप विजेता लीसा कीथली से भी प्रेरणा लेने की उम्मीद करेगी, जो मुंबई इंडियंस के साथ अपने पहले महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन में कप्तानी संभाल रही हैं। लीसा ने महिला कोचों से बनी टीम के बारे में बताया और यह भी बताया कि यह मुंबई इंडियंस की विचारधारा और नीता एम. अंबानी के खेल के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण को कैसे दर्शाता है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा किमहिला कोचों का पूरा पैनल होना मेरे लिए वाकई रोमांचक और एक नया अनुभव है। हम समर्थकों और दुनिया भर की महिलाओं को कोचिंग के क्षेत्र में महिलाओं को देखने का अवसर दे रहे हैं। इस दृष्टिकोण से, मैं इसे और अधिक बार देखना चाहूंगी और मुझे लगता है कि अगले 10 वर्षों में आप इसे देखेंगे।

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
गुरुवार 08 जनवरी 2026
www.sabkasapna.com

क्रिएटिविटी पर बोलीं टिस्का चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने साल 2025 में निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' का निर्देशन किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी और फिल्म को मिले-जुले रिएक्शन हासिल हुए थे। अब टिस्का का ऐसा मानना है कि बॉलीवुड में क्रिएटिव नजरिए से रिस्क लेने से मेकर्स काफी घबराते हैं और वो राइटिंग पर कम ध्यान देते हैं।

हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान टिस्का चोपड़ा ने बॉलीवुड में होने वाले बदलावों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री की उन कमियों का भी जिक्र किया, जिन्हें दूर किया जाना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा कि समस्या यह है कि हम फलों को पानी दे रहे हैं, जड़ों को नहीं, यानी लेखन को। काम बेहद सतही हो गया है। मैं यह नहीं कह रही कि कॉमर्शियल या कॉमेडी फिल्में नहीं बन सकतीं, लेकिन इसकी शुरुआत राइटिंग से होती है। आपको अपने लेखकों को समय देना होगा और उन्हें आइडियाज पर सोचने की आजादी देनी होगी, तभी वो कुछ क्रिएटिव सोच पाएंगे। लेकिन हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते। हम बहुत डरे हुए हैं। कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहता। हम वही पुरानी चीजें थोड़े-बहुत बदलाव के साथ करते रहते हैं। दर्शक अब इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। जब आप दृढ़ विश्वास के साथ कुछ नया लाते हैं, तो लोग उसे स्वीकार कर लेते हैं।

कई और दिग्गज भी क्रिएटिविटी को लेकर कर चुके हैं बात

टिस्का चोपड़ा से पहले भी कई दिग्गज बॉलीवुड में लेखकों को प्रोत्साहित करने और राइटिंग में कुछ क्रिएटिव करने की बात कह चुके हैं। धुरंधर की तारीफ करते हुए अधिकांश लोगों ने फिल्म की राइटिंग और उसके तकीनीकि पक्ष की तारीफ की है। इनमें ऋतिक रोशन, सुधीर मिश्रा और राम गोपाल वर्मा जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं।

शालिनी पांडे ने की राहु-केतु पर बात

अभिनेत्री शालिनी पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म राहु केतु को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वे वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। कुछ दिन पहले फिल्म का पहला मोशन पोस्टर रिलीज किया गया था और अब मेकर्स की तरफ से इसका लेटेस्ट टीजर रिलीज किया गया है। एक्ट्रेस ने अपने किरदार पर दिलचस्प खुलासा किया।

शालिनी आप राहु और केतू के बीच फंस गई हैं?

मैं फंसी नहीं हूं। मेरा किरदार बहुत अच्छा है।

आपको इस किरदार में किस चीज ने प्रभावित किया?

डायरेक्टर विपुल सर ने जब इसे नैरेट किया तो लगा यह बहुत अलग तरह की कॉमेडी है। यह इंटेलीजेंट कॉमेडी फिल्म है। मुझे लगता है कि मेरे लिए राइटर और डायरेक्टर एक हों तो मैं भी उन पर भरोसा कर सकूं।

शालिनी, हर किरदार इंसान को काफी कुछ सिखाकर जाता है। आपको इस फिल्म ने क्या सिखाया?

यह जो किरदार है, वह बहुत लेयर्ड है। आमतौर पर लड़कियों के किरदार बहुत ब्लैक एंड व्हाइट तरीके से देखते हो। मुझे यह किरदार करते हुए बहुत फ्री फील हुआ। विपुल सर (विपुल विग) को इसके लिए शुक्रिया कि उन्होंने इस रोल को लिखा और मुझे इसे प्ले करके बहुत मजा आया।

फिल्म का नाम क्योंकि राहु केतू है, क्या आप एस्ट्रोलॉजी में यकीन रखती हैं? क्या आपने कभी ऐसा पढ़ा कि आज मेरी राशि में क्या लिखा है?

जब अच्छी चीजें होती हैं तो मैं भरोसा कर लेती हूं। बाकी मैं पढ़ती नहीं हूं। मेरी मम्मी इतनी स्वीट हैं। जब वो मेरे पास आती हैं और कुछ करने को बोलती हैं तो मैं उनकी खुशी के लिए कर लेती हूं।

क्या सोशल मीडिया पर प्रेशर फील होता है?

सोशल मीडिया और मोबाइल के साथ रिलेशनशिप अलग चीज है। मेरा और स्क्रीन का रिलेशन वहीं तक है, जहां तक मेरा काम है। मैं अपने दर्शकों से रूबरू होती हैं सोशल मीडिया से, लेकिन मैंने अपना दायरा बना रखा है। मेरा रिश्ता सोशल मीडिया से बहुत अच्छा है।

क्या आप पब्लिक का रिएक्शन देखने के लिए छिपकर हॉल में फिल्म देखने गए हो लोगों के बीच जाकर?

हर एक्टर ऐसा करता है। हमने कितने सीन लोगों के बीच जाकर देखे हैं। हर एक्टर उस हाइप के लिए जीता है। मैंने अर्जुन रेड्डी के टाइम यह बहुत किया है। यह बहुत सुंदर फीलिंग है।

आपनी फिल्म राहु केतू के बारे में क्या कहना चाहेंगी?

यह बहुत इमोशनल इंटेलीजेंस फिल्म है। सब इस फिल्म के साथ कुछ न कुछ रिलेट कर सकते हैं।

जल्द रिलीज होगा कुणाल खेमू स्टारर सिंगल पापा का दूसरा सीजन

कुणाल खेमू की हालिया रिलीज वेब सीरीज सिंगल पापा को दर्शकों और क्रिटिक्स ने जमकर सराहा था। अब जल्द ही इस सीरीज का दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला है। नेटफ्लिक्स ने हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा की है।

नेटफ्लिक्स ने किया सीजन 2 का एलान

सोमवार को नेटफ्लिक्स ने अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली सीरीज सिंगल पापा 2 की घोषणा की। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये यह जानकारी दर्शकों को दी। इसे शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा 'बधाई हो, सीजन 2 होने वाला है।' हालांकि, ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अब तक इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं की।

फैंस ने की यह खास अपील

नेटफ्लिक्स की इस पोस्ट पर सीरीज के कई फैंस ने खास अपील की है। एक यूजर ने कमेंट करके लिखा, 'इस बार दया शेट्टी का रोल ज्यादा रखना..'। वहीं कई फैंस ने इस खबर पर खुशी भी जाहिर की कि इस सीरीज का दूसरा पार्ट आ रहा है। कइयों ने लिखा कि वो सीजन के लिए बेहद उत्साहित हैं।

नजर आएंगे ये बड़े कलाकार

यह सीरीज इशिता मलहोत्रा और नीरज उधवानी के जगरनॉट प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है। इसे शशांक खैतान, हितेश केवल्या और नीरज उधवानी ने ही निर्देशित किया है। सीरीज में कुणाल खेमू, प्राजक्ता कोली, मनोज पहवा, आयशा रजा, नेहा धूपिया, सुहेल नय्यर, दयानंद शेट्टी और ईशा तलवार समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

पहले सीजन में क्या थी कहानी

सिंगल पापा की कहानी एक ऐसे तलाकशुदा इंसान गौरव गहलोत की है जिसकी कार में कोई बच्चा छोड़ जाता है। इसके बाद गौरव उस बच्चे को पालना चाहता है मगर परिवार उसके लापरवाह होने की चलते उसके इस फैसले का साथ नहीं देता। आगे जाकर गौरव उस बच्चे को अकेले संभालता है। अब गौरव के जीवन में क्या नए बदलाव होंगे, यह कहानी दर्शकों को इसके दूसरे भाग में देखने को मिलेगी।

कभी खुशी कभी गम 2 के सीक्वल की तैयारी में करण जौहर!

कभी खुशी कभी गम 2 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि करण जौहर इस मूवी से बतौर डायरेक्टर कमबैक करने जा रहे हैं। 25 साल पहले आई इस मूवी का सीक्वल कब बनेगा और कौन होगा, जानिए-

कभी खुशी कभी गम 2 के बारे में जानकारी सामने आई है

साल 2001 में करण जौहर की डायरेक्टेड फिल्म कभी खुशी कभी गम रिलीज हुई थी। इसे यश जौहर ने प्रोड्यूस किया था और 3 घंटे 30 मिनट लंबी इस मूवी को लोगों का भरपूर प्यार भी मिला था। इसके गाने आज भी लोगों के जुबां पर बैठे रहते हैं। अब खबर है कि इस मूवी का पार्ट-2 भी बना रहे हैं। और इसके जरिए ही वह डायरेक्शन में कमबैक कर रहे हैं। चर्चा ये भी है कि प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट भी फाइनलाइज हो गई है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सोर्स ने बताया है कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी रोमांटिक फैमिली कॉमेडी से मिली अपार सफलता के बाद करण जौहर अपनी अगली फैमिली-ड्रामा जॉनर मूवी के साथ वापसी करने का प्लान बना रहे हैं। कहा ये भी जा रहा है कि अब तक की उनकी सबसे बजट की फिल्म होगी और नए साल के शुरुआत में स्क्रिप्ट फाइनल करके उन्होंने लोगों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है।

खबरों के मुताबिक, इस फिल्म को धर्मा प्रोडेक्शन के बैनर तले बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज करने की प्लानिंग हो रही है। प्री-प्रोडक्शन का काम 2026 के छमाही के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। और शूटिंग साल के अंतर तक शुरू होने की संभावना है। एक सोर्ट ने ये भी बताया है कि ये एक हाई-ऑक्टेन फैमिली ड्रामा मूवी है। जिसमें बहुत रोमांटिक और इमोशनल एंगल भी है।

कभी खुशी कभी गम 2 की कास्ट

फिल्म की कास्ट के बारे में ये बताया गया है कि इसमें दो मेन लीड एक्टर और दो मेन लीड एक्ट्रेस होंगी। कास्टिंग का प्रॉसेस भी जल्द शुरू होगा। यह धर्मा प्रोडक्शंस की सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली बड़ी फिल्म होगी। इसका नाम कभी खुशी कभी गम 2 होगा। लेकिन पुष्टि नहीं हुई है। कभी खुशी कभी गम में शाहरुख खान, काजोल, ऋतिक रोशन, करीना कपूर, अमिताभ बच्चन और जया बच्चन जैसे दिग्गज कलाकार थे। 14 दिसंबर, 2001 में ये रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

क्या 'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी और प्रतिभा रांटा? एक्टर्स ने बताई सच्चाई

फिल्म 'गली बॉय' से सुर्खियों में आए अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वी शांताराम' को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, इस बीच पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ये चर्चा तेज है कि सिद्धांत चतुर्वेदी अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ विजय देवरकोंडा की फिल्म 'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। दोनों स्टार्स की कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं फैलने लगीं। अब दोनों स्टार्स ने खुद इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सभी तरह की चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

फिलहाल कोई रीमेक नहीं

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सबसे पहले इन अफवाहों पर अपना रुख स्पष्ट किया। 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की खबरों को खारिज करते हुए सिद्धांत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। इस स्टोरी में अभिनेता ने लिखा, 'दोस्तों, मैं स्पष्ट कर दूं कि यह सच नहीं है। अब मेरे लिए कोई रीमेक नहीं, हालांकि मैं मूल फिल्म और अभिनेताओं का प्रशंसक हूं, बहुत सारा प्यार और सम्मान। धन्यवाद।' इस स्टोरी के जरिए सिद्धांत ने इन खबरों पर तो विराम लगाया ही, साथ ही ये भी स्पष्ट कर दिया कि वो फिलहाल अब किसी भी रीमेक फिल्म में काम नहीं करना चाहते।

प्रतिभा रांटा के साथ काम करना चाहते हैं सिद्धांत

हालांकि, सिद्धांत ने इस दौरान प्रतिभा रांटा के साथ काम करने की इच्छी भी जताई। अपनी स्टोरी में उन्होंने आगे लिखा, 'मैं बेहद प्रतिभाशाली प्रतिभा रांटा के साथ किसी ऐसे प्रोजेक्ट पर काम करना चाहूंगा, जो नई कहानी हो। इसका बेसब्री से इंतजार है।' जाहिर है कि सिद्धांत किसी रीमेक की बजाय एक नई कहानी पर काम करना चाहते हैं।

सिद्धांत आखिरी बार 'धड़क 2' में नजर आए थे

वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धांत को आखिरी बार 'धड़क 2' में देखा गया था। समीक्षकों द्वारा सराही गई ये फिल्म तमिल फिल्म 'परियेरुम पेरुमल' का रीमेक थी। जबकि प्रतिभा रांटा आखिरी बार 'लापता लेडीज' में ही नजर आई थीं। अब वो द रिवोल्यूशनरीज नाम की वेब सीरीज में नजर आएंगी।

प्रतिभा रांटा ने भी दिया रिएक्शन

सिद्धांत चतुर्वेदी की तरह ही प्रतिभा रांटा ने भी 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी। हालांकि, एक्ट्रेस ने इन खबरों का खंडन या इनकी पुष्टि नहीं की, लेकिन उन्होंने अपने नाम पर फैलाई जा ही गलत खबरों पर जरूर अपनी प्रतिक्रिया दी। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'मैं सभी मीडिया पेजों से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि कृपया किसी भी अपुष्ट जानकारी को प्रकाशित या प्रसारित करने से बचें। आधिकारिक घोषणा का इंतजार करें। मेरे साथ काफी समय से ऐसा हो रहा है, कई ऐसे प्रोजेक्ट्स में जिनसे मैं जुड़ी नहीं हूं, जिससे अक्सर अनावश्यक भ्रम पैदा होता है। इस मामले में आपकी समझ, सहयोग और निरंतर समर्थन के लिए मैं वास्तव में आभारी रहूंगी।' जाहिर है कि प्रतिभा रांटा ने सिद्धांत की तरह साफ तौर से इस बात से इंकार नहीं किया कि वो रीमेक में नजर नहीं आएंगी। बल्कि उन्होंने आधिकारिक घोषणा होने का इंतजार होने की बात कही है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।